टाइम्स ऑफ़ पीडिया

ٹائمس آف پیڈیا

TIMES OF PEDIA

NEW DELHI Page 12 Price ₹ 3.00

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

www.timesofpedia.com

WEEKLY HINDI ENGLISH URDU

WED 25 SEP 2024 - TUE 01 OCT, 2024 | VOL. 12. ISSUE 39 | RNI No. DELMUL/2012/47011

02 अक्टूबर को गांधी जयंती, स्वच्छ भारत अभियान और विश्व अहिंसा दिवस

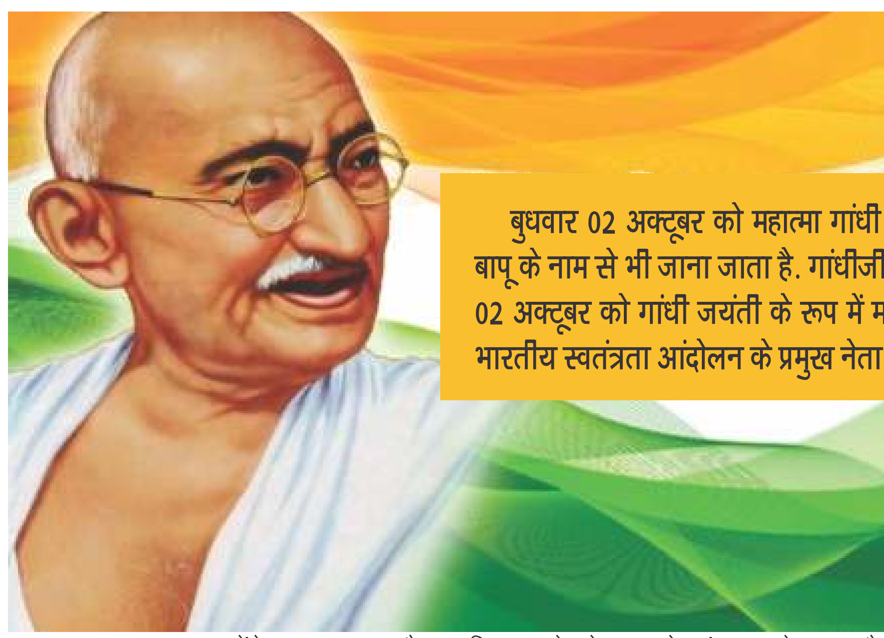

बुधवार 02 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती है. उन्हें भारत के राष्ट्रपिता तथा बापू के नाम से भी जाना जाता है. गांधीजी यानि मोहनदास करमचंद गांधी का जन्मदिन 02 अक्टूबर को गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है. वे भारतीय राजनीतिज्ञ तथा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेता थे. जानते है महात्मा गांधी के बारे में...

02 अक्टूबर को गांधी जयंती के साथ–साथ श्विश्व अहिंसा दिवसश तथा श्स्वच्छ भारत दिवस कार्यक्रमश के रूप में भी मनाया जाता है. विश्वभर में गांधीजी अपने अहिंसात्मक आंदोलन के लिए जाने जाते हैं, अतरू गांधीजी के प्रति वैश्विक स्तर पर सम्मान व्यक्त करने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है. उन्होंने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराया था. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की थी. महात्मा गांधी का जन्मदिन भारत में एक राष्ट्रीय अवकाश के रूप में भी मनाया जाता है. तथा भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती भी इसी दिन मनाई जाती है.

गांधीजी का जन्म 02 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हिन्दू परिवार में हुआ. पिता करमचंद गांधी और मां पुतलीबाई द्वारा उनका नाम मोहनदास रखा गया था, जिससे उनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी हुआ. गांधी जी अपने माता–पिता की सेवा, उनकी आज्ञा का पालन, घर के कार्यों में हाथ बंटाना, सैर करना आदि सभी कार्य भी किया करते थे.

उनकी माता अत्यधिक धार्मिक महिला थी, अतरू उनका पालन वैष्णव मत को मानने वाले परिवार में हुआ और उन पर जैन धर्म का भी गहरा प्रभाव रहा. यही कारण था कि इसके मुख्य सिद्धांतों जैसे– अहिंसा, आत्मशुद्धि और शाकाहार को उन्होंने अपने जीवन में उतारा था. गांधी जी ने प्रह्लाद और राजा हरिश्चंद्र को आदर्श के रूप में ग्रहण किया.

शिक्षा के दृष्टिकोण से गांधीजी एक औसत दर्जे के विद्यार्थी रहे, लेकिन समय–समय पर उन्होंने पुरस्कार और छात्रवृत्तियां भी मिलीं. वे अंग्रेजी विषय में काफी होनहार थे, लेकिन भूगोल जैसे विषयों में उनका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहता था. वहीं अंक गणित में वे मध्यम दर्जे के विद्यार्थी रहे और लिखावट के मामले में भी उन्हें अच्छी टिप्पणियां नहीं मिली.

महात्मा गांधी का विवाह मात्र 13 वर्ष की आयु में ही कर दिया गया था. जब वे स्कूल में पढ़ते थे, तभी पोरबंदर के एक व्यापारी की पुत्री कस्तूरबा माखनजी से उनका विवाह हुआ और मात्र 15 वर्ष की अवस्था में गांधी जी एक पुत्र के पिता बन गए. लेकिन वह पुत्र जीवित न रह सका. इस तरह गांधी जी के कुल चार पुत्र हरिलाल, मनिलाल, रामदास और देवदास हुए.

विवाह के पश्चात और स्कूल का जीवन समाप्त होने पर मुंबई के एक कॉलेज में कुछ दिन पढ़ने के बाद वे लंदन चले गए और उनकी आगे की शिक्षा दीक्षा लंदन में हुई. तीन साल की विदेश शिक्षा के बाद वे बैरिस्टर बने. लंदन में शिक्षा ग्रहण करने के बाद सन् 1914 में गांधी जी भारत लौट आए. देशवासियों ने उनका भव्य स्वागत किया और उन्हें महात्मा पुकारना शुरू कर दिया.

गांधी जी का सत्याग्रह आंदोलन रू उन्होंने अगले 4 वर्ष भारतीय स्थिति का अध्ययन करने तथा उन लोगों को तैयार करने में बिताए जो सत्याग्रह के द्वारा भारत में प्रचलित सामाजिक व राजनीतिक बुराइयों को हटाने में उनका साथ दे सकें.

महात्मा गांधी के पूर्व भी शांति और अहिंसा की के बारे में लोग जानते थे, परंतु उन्होंने जिस प्रकार सत्याग्रह, शांति व अहिंसा के रास्तों पर चलते हुए अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर मजबूर कर दिया, उसका कोई दूसरा उदाहरण विश्व इतिहास में देखने को नहीं मिलता.

उनकी यह यात्रा अहिंसा आंदोलन से लेकर उनके राष्ट्रपिता बनने तक, और उनके जीवनपर्यंत चलती रही. फरवरी 1919 में अंग्रेजों के बनाए रॉलेट एक्ट कानून पर, जिसके तहत किसी भी व्यक्ति को बिना मुकदमा चलाए जेल भेजने का प्रावधान था, उन्होंने अंग्रेजों का विरोध किया.

फिर गांधी जी ने सत्याग्रह आंदोलन की घोषणा कर दी. इसके परिणामस्वरूप एक ऐसा राजनीतिक भूचाल आया, जिसने 1919 के बसंत में समूचे उपमहाद्वीप को झकझोर दिया. इस सफलता से प्रेरणा लेकर महात्मा गांधी ने भारतीय स्वतंत्रता के लिए किए जाने वाले अन्य अभियानों में सत्याग्रह और अहिंसा के विरोध जारी रखे, जैसे कि असहयोग आंदोलन, नागरिक अवज्ञा आंदोलन, दांडी यात्राश तथा भारत छोड़ो आंदोलन.

गांधी जी के इन सारे प्रयासों से भारत को 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिल गई. ऐसे महान व्यक्ति को यानि महात्मा गांधी को दिल्ली के बिड़ला भवन में नाथूराम गोडसे द्वारा 30 जनवरी, 1948 को गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी. देशवासियों को इस अवसर पर गांधी जी के बताए गए पाठ को याद करना चाहिए. सभी देशवासियों को गांधी जयंती पर शुभकामनाएं. –टॉप

नए भारत के लिए युवा शक्ति, नारी शक्ति, देश भक्ति का मजबूत तालमेल: श्री सर्बानंद सोनोवाल

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने देश को एक नए भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए 'युवा शक्ति', 'ना शक्ति' और 'देश भक्ति' के शक्तिशाली तालमेल का आह्वान किया। सोनोवाल असम विश्वविद्यालय के वार्षिक उत्सव में छात्रों से बातचीत कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने छात्रों से भारत के समुद्री क्षेत्र सहित कई क्षेत्रों में खुलने वाले अवसरों का लाभ उठाने के लिए खुद को पेशेवर कौशल से सक्षम बनाने का भी आह्वान किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, इस उल्लास और आनंद के माहौल के बीच आप सभी के बीच होना एक शानदार अवसर है। मुझे आमंत्रित करने और अपने उत्सव का हिस्सा बनाने के लिए मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूँ। यह युवाओं की शक्ति, उत्साह और दृढ़ संकल्प है जो हमारे देश की उल्लेखनीय आर्थिक वृद्धि में योगदान दे रहा है। जैसे–जैसे भारत आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है, इससे हमारे हाथ में एक बहुत अच्छा अवसर है।

दुनिया भारत की ओर आशा भ नजरों से देख रही है। लेकिन इस गौरवशाली अवसर को भुनाने के लिए, हमें भारत की विकास गाथा में सार्थक योगदान देने के लिए अपने कौशल को विकसित करने, प्रशिक्षित करने और निखारने की जरूरत है। हमारा पूर्वोत्तर एक जमीन से घिरा क्षेत्र है लेकिन हमारे पास जल निकायों का एक बहुत ही विशाल, जटिल और अद्भुत नेटवर्क है।

हमारा मंत्रालय अंतर्देशीय जलमार्गों के बुनियादी ढांचे के पुनर्वास और इसे सक्रिय करने के लिए कदम उठा रहा है जो उन्हें व्यापार और वाणिज्य के उद्देश्य से मूल्यवान बनाने के लिए उपयोगी होगा, जिससे अंततः आर्थिक विकास का एक नया मार्ग खुलेगा। हाल ही में दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता और हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने महाराष्ट्र में वधावन बंदरगाह की आधारशिला रखी, जो भारत का 13वां प्रमुख बंदरगाह है।

विकास और संचालन के बाद इस बंदरगाह को बड़ी संख्या में योग्य और प्रशिक्षित जनशक्ति की आवश्यकता होगी। मैं इस अवसर पर सभी छात्रों से समुद्री क्षेत्र में विभिन्न करियर विकल्पों पर विचार करने का अनुरोध करता हूं जो न केवल आपको एक अच्छी नौक प्रदान करता है बल्कि आपको नई चुनौतीसे निपटने और देश के धन सृजन में योगदान करने का अवसर भी देता है।

बैठक में सिलचर के सांसद परिमल शुक्लाबैद्य, विश्वविद्यालय के कुलपति, विश्वविद्यालय के डीन छात्र कल्याण और अन्य लोग भी उपस्थित थे।

–टॉप

Editor/Owner/Printer/Publisher: Ali Aadil Khan, K-2-A-001, Abul Fazal Enclave-I, Jamia Nagar, Okhla, ND - 25. **Printed at :** Shobi Offset Press, 2818, Gali Gadhiaiya, Kuchachalan, Daryaganj, ND. - 2

इजरायल पर हमले के बाद पूरे ईरान में जश्न, हमास भी खुश हुआ, खामेनेई बोले- जीत बिल्कुल करीब

हमास और हिजबुल्लाह के बाद अब इजरायल और ईरान के बीच जंग होने की नौबत आ गई है. ईरानी हमले के बाद इजरायल ने करारा जवाब देने की कसम खाई है. मंगलवार की रात ईरान ने इजरायल पर 180 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला बोला. ईरान का कहना है कि उसके 90 फीसदी मिसाइल सटीक स्थानों पर गिरे हैं. हमले के बाद पूरे ईरान में जश्न का माहौल है.

हमास ने कहा, हम ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के इजरायली पर किए गए वीरतापूर्ण रॉकेट लॉन्च की सराहना करते हैं. यह हमला क्षेत्र के लोगों के खिलाफ कब्जे व निरंतर अपराधों के जवाब में है. यह हमारे देश के वीर शहीदों के खून का बदला है. उधर, ईरान ने कहा कि लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ इजरायली हमले के जवाब में मंगलवार को इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की बौछार की है.

हमास और हिजबुल्लाह के बाद अब इजरायल और ईरान के बीच जंग होने की नौबत आ गई है. ईरानी हमले के बाद इजरायल ने करारा जवाब देने की कसम खाई है. मंगलवार की रात ईरान ने इजरायल पर 180 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला बोला. ईरान का कहना है कि उसके 90 फीसदी

मिसाइल सटीक स्थानों पर गिरे हैं. हमले के बाद पूरे ईरान में जश्न का माहौल है. ईरान ने मंगलवार की रात इजरायल पर 180 बैलेस्टिक मिसाइलों से हमला किया.

इसके बाद पूरे ईरान में जश्न का माहौल देखने को मिला. ईरानी लोगों ने इजरायल और अमेरिका के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. उधर, हमास ने भी ईरानी हमले की प्रशंसा की. ईरान में लोगों ने हिजबुल्लाह के झंडे और हसन नसरल्लाह की तस्वीरे के साथ रैली निकाली. राजधानी तेहरान में जमकर आतिशबाजी की गई. गाजा पट्टी में भी लोगों ने ईरानी हमले का जश्न मनाया. यह हमला क्षेत्र के लोगों के खिलाफ कब्जे व निरंतर अपराधों के जवाब में है. यह हमारे देश के वीर शहीदों के खून का बदला है.

उधर, ईरान ने कहा कि लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ इजरायली हमले के जवाब में मंगलवार को इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की बौछार की है. ईरान ने अपने हमले को हमास नेता इस्माइल हानिया, हिजबुल्लाह नेता सैय्यद हसन नसरल्लाह और ईरानी ब्रिगेडियर जनरल अब्बास निलफोरुशन की मौत का बदला बताया. इस बीच इजरायल ने साफ किया है कि ईरान को इस हमले के परिणाम भुगतने होंगे. जवाब कैसे देना है... यह हम तय करेंगे. तेहरान में इस्माइल हानिया और लेबनान में हिजबुल्लाह की पूरी लीडरशिप को इजरायल साफ कर चुका है. इसके बाद यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों पर भी बड़ा हमला किया. इन हमलों के बाद ईरान में इजरायल से बदला लेने की मांग उठ रही थी. अब इजरायल पर ईरान के ताजे हमले ने ईरानी लोगों को जश्न का मौका दिया है. इससे पहले ईरान ने अप्रैल में भी इजरायल पर 300 मिसाइल और ड्रोन से हमला किया था. हमास और हिजबुल्लाह के बाद अब इजरायल और ईरान के बीच जंग होने की नौबत आ गई है.

ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने एक बड़े भूमिगत हथियार भंडार की फोटो अपने एक्स अकाउंट पर साझा की. इसमें उन्होंने लिखा जीत अल्लाह से आती है और यह करीब है. ईरान के मशहद शहर में भी लोग सड़कों पर उतरे और हिजबुल्लाह का पीला झंडा और हसन नसरल्लाह की फोटो के साथ जश्न मनाया.

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इजरायल पर हमले की सराहना की. उधर, राजधानी तेहरान में भी लोगों ने जश्न मनाया. अमेरिका की मौत हो और इजराइल की मौत हो के नारे भी लगाए. —टॉप

CBSE Drops Urdu, thousands of Urdu medium students left clueless

The Central Board of Secondary Education (CBSE)'s decision to provide question papers solely in English or Hindi has put students of Urdu medium schools in a difficult position. This decision impacts Urdu medium schools across India including Maulana Azad National Urdu University (MANUU) where students have traditionally been instructed in Urdu. Now, these students are being compelled to choose between English or Hindi while filling out their admission forms, which creates a challenge for those more proficient in Urdu.

According to a report in The Telegraph, CBSE directed that question papers for classes 10 and 12 be printed only in English or Hindi, emphasizing that answer sheets written in any language other than these two, without the board's explicit permission, would not be evaluated. CBSE further noted that students writing answers in a

language not permitted by the board would have their results announced without any marks awarded for that subject. This places MANUU students in a precarious situation as many of them are not as comfortable with Hindi or English.

The issue has been compounded by the fact that CBSE was fully aware of the Urdu medium of instruction at MANUU schools when granting them affiliation. These schools, established in 2010, were previously provided question papers in English, Hindi, and Urdu until 2020. However, since 2021, the board stopped supplying Urdu-language question papers without prior notice. Despite the change, students continued to write their answers in Urdu for the last three years. But with the latest directive, they will no longer be allowed to do so.

An official from one of the MANUU schools expressed frustration, stating that students are facing significant difficulties in understanding question papers in Hindi or English, as they had been accustomed to receiving them in Urdu. The sudden change in policy has left these students struggling, and many are now facing uncertainty regarding their ability to perform well in exams under these new constraints.

Thousands of students enrolled in Urdu medium (CBSC) schools will have difficult time due to this decision. Only in Delhi there are 12 CBSC pattern Urdu medium schools.

NOTICE:
Times of Pedia does not guarantee, directly or indirectly, the quality or efficacy of any product or services described in the advertisements or other material which is commercial in nature in this Newspaper. Furthermore, Times of Pedia assumes no responsibility for the consequences attributable to inaccuracies or errors in the printing of any published material from the news agencies or articles contributed by readers. It is not necessary to agree with the views published in this Newspaper. All disputes to be settled in Delhi Courts only.

समाज उपयोगी योग्य शक्ति बैनर के अंतर्गत जिला सुयश सम्मेलन, मोतीनगर, दिल्ली

आज सनातन धर्म मंदिर मोतीनगर में जिला सुयश सम्मेलन का आयोजन किया गया. कार्यक्रम मे सुयश यानि ष्समाज उपयोगी योग्य शक्तिष् बैनर के अंतर्गत समाज मे विभिन्न प्रकार के सेवा, जनकल्याण, पर्यावरण,जनजागरण एवं धार्मिक गतिविधियों और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान में लगे समाजसेवियों का एकत्रीकरण रहा.कार्यक्रम 3 सत्रों में रहा... प्रथम सत्र में मोतीनगर के माननीय जिला संघचालक श्री जयप्रकाश जी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए समाज मे हो रहे सुखद परिवर्तनों में समाजिक संस्थाओं के योगदान व संभावित भूमिका से अवगत करवाया.द्वितीय सत्र में RWA, धार्मिक संस्थाये, योग शिक्षक व अन्य सामाजिक संस्थाये अलग–अलग गुटो में बैठे व सभी को अपनी संस्थाओं के कार्यो व उद्देश्यों के विषय मे संक्षेप में बताया. तृतीय व अंतिम सत्र में कुछ बन्धुओ एवं बहनों ने मंच पर आकर, विभिन्न सेवाकार्यों में अपने प्रेरणादायी अनुभव सबसे सांझा किये. अंत मे विभाग व्यवसायी प्रमुख श्री नवीन जी ने अपने उद्बोधन से 96 की संख्या में

उपस्थित मातृशक्ति व बन्धुओ से अपने सामाजिक कार्यो एवं सेवाकार्यों में पंच परिवर्तन यानि कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, स्व का बोध और नागरिक कर्तव्यों का भी सम्मिश्रण करने का अनुरोध किया.कार्यक्रम में प्रचार विभाग द्वारा कन्यापूजन में भेंट देने हेतु पुस्तको का स्टाल लगाया गया था. कार्यक्रम के उपरांत अल्पाहार की उत्तम व्यवस्था थी.

वक़्फ़ संशोधन बिल की आड़ में हिन्दुओं को भारी नुक़सान?

Ali Aadil Khan, Editor

असल में आज देश और दुनिया में साजिश के तहत नफरत, और डर का माहौल बनाया गया है. बताया जाता है हिन्दू खतरे में है, मुसलमान खतरे में है, महिलाओं को खतरे में बताया जाता है संविधान खतरे में बताय जाता है, लोकतंत्र खतरे में बताया जाता है देश की सीमाओं को खतरे में बताया जाता है, अब बचा क्या ??? ईमान... तो हाँ कुछ खतरे में हो या न हो ईमान तो खतरे में है... क्योंकि ईमान खतरे में है इसलिए ये सब खतरे देश के सामने चलाये जा रहे हैं... फिलहाल वक्फ की सम्पत्तियाँ खतरे में हैं या नहीं यह समझना है... क्या वक्फ बिल का मुद्दा 5 राज्यों के चुनाव तक का मुद्दा है या असलियत में मुस्लिम विरोधी एजेंडा है इसको समझते हैं...

2 महीने पहले तक वक्फ के बारे में खुद मुस्लमान भी बहुत कम जानता था... आज देश का हिन्दू भी काफी हद तक जान गया है अब कितना सही जाना और कितना गलत यह भी आज का विषय है... इस बीच मीडिया ने वक्फ मुद्दे पर भी भ्रम और Misinformations फैलाने की भरपूर कोशिश की है. दरअसल मीडिया सनसनी ज्यादा और सच्चाई कम दिखाता है यह जानते हुए भी काफी लोग इस पर भरोसा करते हैं... अफसोस और फिक्र की बात यह है की जनता इसी तरह के प्रोग्राम पसंद भी करती है, जिस दिन जनता ने इन Programmes को देखना बंद कर दिया उसी दिन से देश का माहौल शांतिपूर्ण हो जाएगा... National Channels पर हिन्दू मुस्लिम एंगल की चर्चा से नफरत और बंटवारे की राजनीती का Narrative सेट किया जाता है और वोट का बंटवारा किया जाता है, इसका मतलब देश का बंटवारा. और Channels को सहयोग सरकारों में बैठी संकीर्ण और प्रदूषित मन्सिक्ताओं का रहता है. लेकिन नफरत और साम्प्रदायिकता की आग को भड़काने वाले यह क्यों भूल जाते हैं की लगेगी आग तो आएंगे घर कई जद में... नफरत, साम्प्रदायिकता और डर की राजनीती ने अनेकता में एकता की भारत की विशाल इमारत की बुनियादों को खोखला करके दुश्मनों का रास्ता आसान करदिया है. भले कुछ सत्ताधारी या सत्ता के भिकारी,,, जनता की कमाई पर पलने वाले निकम्मे और जमीर फरोश नेता TV चौनलों और दरबारों में बैठकर देश के लोकतान्त्रिक और सांस्कृतिक ढाँचे के मजबूत होने के झूठे दावे ठोकते रहें तो ठोकते रहो.

इस वीडियो में वक्फ मुद्दे की उस हकीकत को आपके सामने रखा जाना मकसद है जो अभी तक किसी भी National TV Channel के प्रोग्राम में नहीं रखा गया है... लेकिन हमारे आज के वीडियो को जो लोग हिन्दू मुस्लिम Angle से देख रहे हैं वो फिलहाल अपना चश्मा उतार दें... क्योंकि हमारे वहां बात इन्साफ, इंसानियत मुल्क और मिल्लत की बलाई की होती है तो सच्चाई जान्ने के लिए हमारे साथ बने रहें. मगर जिनको सिर्फ झूठ, सनसनी और नफरत देखना सुन्ना और बोलना पसंद है तो उनको मायूसी हो सकती है, ठतमां,,,रॉयल बैकग्राउंड म्यूजिक चलेगा

आप यह अच्छी तरह जानते हैं के सत्ता के लिए पूंजी की,,, और पूंजीवादियों को सत्ता की हमेशा जरुरत रही है. भौतिकवादी दुनिया यानी Meterialistic World में तानाशाहों के द्वारा अपनी अवाम पर जुल्म होता रहा है. मगर आज वसुधेव कुटुम्भकंभ का नारा देने वाले भारत देश में मजहबी नफरत की आग चरम पर पहुँच चुकी है हालाँकि अम्नो सलामती का दम भरने वाले तथाकथित मुस्लिम देश भी Zionism के आतंकवाद से अछूते नहीं हैं. नफरत और बदअमनी की इस आग को बुझाने के लिए झूठी उम्मीदों और वादों से बात नहीं बनने वाली हर एक को अपनी जगह रहकर अमली तौर से कोशिश करना ही होगा, वरना यहाँ न सही वहां तो हिसाब देना ही पड़ेगा...

वक्फ संशोधन बिल के नाम पर फिलहाल देश का मुस्लमान निशाने पर है जबकि हिन्दू मंदिरों पर भी बड़ा खतरा मंडरा रहा है इस सच्चाई को सुनकर आप भी दंग रह जाएंगे. वीडियो के अगले हिस्से में उसका खुलासा करेंगे. दरअसल वक्फ संशोधन बिल की बहस के बीच उस वक्त अचानक एक नया मोड़ आ गया है, जब मंदिरों की संपत्तियों का लेखा जोखा भी माँगा जाने लगा, इसके बाद कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आये जिनको सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे, वर्तमान सरकार का कहना है कि वो वक्फ संशोधन बिल के जरिए जरूरतमंद लोगों की मदद और मौजूदा वक्फ Properties जाइज इस्तेमाल करना चाहती है जबकि देश का एक बड़ा हिस्सा मानता है कि सरकार की हालिया पूंजीवादी नीतियों और नीयत के चलते इसे धार्मिक मामलों में दखल करार दे रहा है...

केंद्र सरकार और कई कट्टरवादी संस्थाओं द्वारा वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को लेकर लगातार यह Misconception या भ्रम फैलाया जा रहा है कि वक्फ बोर्ड जिस जमीन पर हाथ रख दे वो उसी की हो जाती है, वक्फ ट्रिब्यून के फैसलों को सुप्रीम कोर्ट में भी Challenge नहीं किया जा सकता... दरअसल Google Maping के जरिये सरकार द्वारा जब waqf Properties का Survey कराया गया तो Google ने waqf की जमीनों पर बनी इमारतों को Count किया, और किसी एक Property पर इमारतें अनेकों हो सकती हैं तो Google ने इन इमारतों की संख्या 8 लाख से ज्यादा Count करके देदी और Narrative यह चला दिया गया के वक्फ की जमीने कब्जा करके दुगनी कर ली गईं... जबकि हकीकत यह है की सिर्फ दिल्ली में ही 200 से ज्यादा सरकारी इमारतें वक्फ की property पर कब्जा करके बनाई गईं... यह बात JPC को केंद्र सरकार के अधिकारियों ने बताई. Refrence के लिए Description में लिंक को चेक कर सकते हैं : https://navbharattimes-indiatimes-com/metro/delhi/other&news/waqf&board&claims&more&than&200&government&properties&in&delhi/articleshow/113112800-cms

सच्चाई यह है के वक्फ बोर्ड के पास मात्र 4 लाख 21 हजार एकड़ जमीन ही उपलब्ध हैं 2006 की जस्टिस सच्चर रिपोर्ट के पेज No. 220 पर इसकी तफ्सील को भी देखा जा सकता है. दरअसल 1996 के बाद 2006 में वक्फ Properties का सर्वे कराया गया था और इसके बाद आजतक किसी भी सरकार ने इसका survey नहीं कराया है. अधिवक्ता Abdul Rauf Raheem ने इस बारे में Supreme Court को मुतवज्जेह किया जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों से survey करने को बोला मगर आजतक इसपर कोई काम न हो सका. मुस्लिम पक्ष की शिकायत है कि वक्फ के बारे में आजादी के बाद से ही सरकारों का सौतेला रवैय्या रहा है. 1956 में बने DDA को वक्फ की जमीनो की देखभाल का काम दिया गया था उसने ही वक्फ की जमीनों पर मालिकाना हक जमाना शुरू कर दिया आज DDA के ज्यादातर पर वक्फ की जमीनों पर हैं और अच्छा है अगर इन पार्कों में ताजा हवा और तफरीह के लिए लोग आते हैं वातावरण को भी पेड़ों से लाभ होता है इसको भी इंसानी भलाई का बड़ा काम कहा जाएगा जो वक्फ की जमीनो पर कायम हैं मगर उसपर मालिकाना हक जमाना यह ना इंसाफी है इसी तरह CWC और waqf Boards में ऐसे सरकारी अफसरों को लाकर बैठाया गया जिनको औकाफ या उससे मुताल्लिक पूरी जानकारी ही नहीं रखते बल्कि वक्फ की जमीनों को खुर्दबुर्द कर दिया इन लोगों ने.सरकारों को waqf की सम्पत्तियों के सही इस्तेमाल में कोई दिलचस्पी नहीं है. बल्कि इस लूट के अमल में खुद सरकारी लोग शामिल रहे हैं... अब रहा waqf की सम्पत्तियों और हिन्दू Endowment Boards की सम्पत्तियों का सवाल तो आपको हम जो डाटा देने जा रहे हैं वो इंतहाई चौंकाने वाला है. जितनी संपत्ति आज मुस्लिम वक्फ के पास है इससे ज्यादा संपत्ति अकेले एक राज्य आंध्र प्रदेश हिन्दू बोर्ड के पास है. हिन्दू Endowment सम्पत्तियों के मुकाबले में मुस्लिम वक्फ संपत्तियों की तादाद ऊँट के मुंह में जीरा जैसी है वास्तविकता यह है कि हिंदू बोर्ड के पास 150 लाख एकड़ जमीनें देशभर में मौजूद हैं.

अकेले आंध्र प्रदेश में 4 लाख 65 हजार एकड़ जमीन है जबकि तमिलनाडु के हिंदू बोर्ड के पास 3 लाख 50 हजार एकड़ से भी अधिक संपत्ति मौजूद है. देश में कुल 28 राज्ये हैं और 8 Territories हैं हर एक राज्य में हिंदू बोर्ड के पास लगभग 4 से 5 लाख एकड़ अचल संपत्ति है, जिसमें मंदिर, आश्रम, मठ, अखाड़े, वेद पाठशालाएं, सरस्वती शिशु मंदिर, घाट, वृद्ध आश्रम, अनाथालय, नारी निकेतन, दरबार और गुफाएं शामिल हैं. जबकि चल संपत्ति यानी आभूषण, सोने चांदी के सिक्के, जवाहरात और नकदी का कोई हिसाब अभी तक नहीं है. मंदिरों में आभूषणों का हिसाब निकालने के लिए सरकार कई बार कोशिश कर चुकी हैं मगर मंदिर प्रबंधन इसको रोक देता है और सरकारें उनके आगे मजबूर हो जाती हैं. और जाहिर है Hindu Endowment Boards भी Waqf Boards की तरह Autonomous bodies हैं वो भी अपना हिसाब किताब और प्रबंधन खुद देखने का अधिकार रखते हैं.

जानकारों का मानना है कि सरकार जमीनों के हत्याने का काम मुसलमानों से शुरू करके सिखों, ईसाइयों, बौद्धों, जैनियों के साथ भी यही करेगी.और सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि... सरकार का टारगेट हिंदू मंदिरों की चल सम्पत्तियाँ हैं जिनको अपने कब्जे में लेना चाहती है, आप जानते हैं ?????

मंदिरों और मठों में हजारों टन सोना और कीमती आभूषण हैं जो चढ़ावे की शक्ल में आते हैं. कहा यह भी जा रहा है के अगर भारत के सिर्फ बड़े मंदिरों के आभूषण सोना और नकदी सर्कार के कब्जे में आजाता है तो फिर देश की Economy को 5 trillion तक ले जाय जाना हकीकत में तब्दील हो सकता है. और वर्तमान सर्कार बार बार 5 Trillion economy की बात शायद इसी भरोसे करती है. क्या मंदिरों के महंत और हिन्दू मंदिरों के trustees और हिन्दू Endowment Boards के अध्यक्षगण राष्ट्रहित में सरकार को ये सम्पत्तियाँ सौंप देंगे.. अगर वास्तव में ऐसा है तो यह मेरे उस्मान की याद को ताजा कर सकता है. आपको बता दें हैदराबाद के सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान ने भारत चीन जंग के कठिन समय में भारत सरकार को पांच हजार किलो सोना दान कर के ऐसी मिसाल कायम की थी जिसका आजतक कोई काट नहीं मिला.

आज इस सोने की कीमत करीब 37 अरब 820 करोड़ रुपये से ज्यादा है.. RSS अगर देशभक्त है तो हिन्दू मंदिरों की तमाम चल और अचल संपत्ति देश के खजाने में जमा कराने का देश व्यापी आंदोलन चलाये देश को बांटने की नहीं जोड़ने की योजना बनाये यह सच्ची देशभक्ति होगी वरना पाखण्ड से तो देश कमजोर ही हो रहा है. पुरी के जगन्नाथ मंदिर के खजाने को जुलाई 2023 में 46 साल बाद दोबारा खोला गया. इस खजाने में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के बेशकीमती आभूषण और दुर्लभ यानी (त्तम) रत्नों का खजाना सामने आया. पिछली बार 1978 में खजाने को खोला गया था, जौहरियों से रत्नों की कुल कीमत का अंदाजा लगाने को कहा गया उन्होंने इनकी कीमत आंकने में अपनी लाचारी जताई थी.

21 से 23 सितम्बर को फिर से इस मंदिर में मौजूद रत्न भंडार के तहखाने में गुप्त सुरंग होने की संभावना को देखते हुए, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने सर्वे शुरू किया था. आपको यह भी याद होगा पिछले सालों में भी केरल के पद्मनाभस्वामी मंदिर के सातवें दरवाजे को खोलने को लेकर काफी विवाद हुआ था. सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दखल दिया और सातवें दरवाजे को खोलने पर रोक लगा दी थी. हिन्दू मान्यता है कि इस दरवाजे की रक्षा भगवान विष्णु के अवतार नाग देवता करते हैं, ऐसे में जाहिर है मंदिरों के पुजारियों और महंतों के बाद नागों से इस संपत्ति को छुड़ाने की चुनौती भी सरकार के सामने रहेगी.

आपको यह भी पता होगा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने विधानसभा में नुजूल बिल पास करवा लिया है, इस कानून के तहत पट्टे पर बने मकानों को buldoz किया जाएगा जिसकी वजह से प्रदेश के करोड़ों हिंदू बेघर हो जाएंगे. योगी सरकार के इस विधेयक का खुद भाजपा विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह, हर्षवर्धन और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने विरोध किया था. और ब्ड योगी आदित्यनाथ को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों को आवास देने की योजना बना रहे हैं और आप लोगों से घर छीन रहे हैं.

हिंदू का नुकसान, मुसलमानों के प्रचार के साथ

देश में मुस्लिम विरोधी Narrative की आड़ में कई कानून ऐसे बने हैं जो संविधान विरोधी हैं और हिन्दू विरोधी भी. उनकी कोई चर्चा National Channels पर नहीं कराइ जायेगी क्योंकि इससे सियासी नुकसान होगा... इस बीच हिन्दू कट्टरपंथी और नफरती वर्ग... पड़ोसी की एक आँख फुड़वाने के चक्कर में अपनी दोनों आँखें फुड़वा लेगा... ऐसी आशंका जताई जा रही है.

जागरण की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय संविधान के कई कानून हिंदू विरोधी, मंदिरों के सरकारीकरण से बढ़ रहा है भ्रष्टाचार यह जागरण अखबार की 17 डंत 2021 की खबर का tittle था

रिपोर्ट में बताया गया कि देशभर में मंदिरों के सरकारीकर्ण से भ्रष्टाचार बढ़ा है. लाखों एकड़ भूमि की लूट हो रही है. सर्वोच्च न्यायालय ने सरकारीकृत मंदिरों को भक्तों को सौंपने का निर्देश दिया था, किन्तु सरकार द्वारा इसपर अमल नहीं किया गया. हिन्दू मंदिरों का सरकारीकरण करने (उसकी आमदनी पर कब्जा करने) के लगातार नियम और कानून बन रहे हैं. यह बातें हिंदू जन जागृति समिति की ओर से आयोजित ऑनलाइन मंदिर संस्कृति की रक्षा के राष्ट्रीय अधिवेशन में सामने आयी.

अब एक और दिलचस्प बात यह है कि हिन्दू फ्रंट फॉर जस्टीस के राष्ट्रीय प्रवक्ता विष्णु जैन ने कहा की Places of worship act 1991 के अनुसार 15 अगस्त 1947 में भारत में सभी धार्मिक स्थलों की जो स्थिति है आगे भी वैसे ही रहेगी वाले कानून के तहत कोई भी पक्ष किसी दुसरे धर्मस्थल पर अपना दावा पेश नहीं कर सकता, कोई भी उसके विरुद्ध न्यायालय में नहीं जा सकता. इस लिए इस कानून में संशोधन करना यह हिंदुओं के साथ घोर अन्याय है. अब मजे की बात है कि यही Objection मुस्लिम पक्ष का भी है बाबरी मस्जिद हो या काशी की ज्ञानवापी, मथुरा की ईदगाह हो या दिल्ली कि सुनहरी बाग मस्जिद या फिर दिल्ली कि ईदगाह जिसके पार्क में रानी झांसी की मूर्ती नस्ब करने का ताजा मामला Places Of worship एक्ट 1991 का उल्लंघन है...

क्या ऐसे में बार बार भारत की मस्जिदों, मदरसों, मजारों, खानकाहों के मामले में की जाने वाली कार्रवाइयों को Places Of worship एक्ट 1991 का उल्लंघन नहीं कहा जाएगा? इस प्रकार मुसलमानों की भावनाओं को आहत करने और गद्दार साबित करने का सिलसिला आजादी के बाद से लगातार जारी है. तो क्या इससे देश का अल्पसंख्यक समुदाय सरकारों और देश का वफादार बन जाएगा या फिर बगावत करना उसकी मजबूरी बन जाएगा, और जब देश कि 35 करोड़ जनता बगावत पर उतर आएगी तो देश की क्या हालत होगी जो भी होगी उसके लिए आजका अवसरवादी सियासी और प्रदूषित मानसिकता वाला सरकारी निजाम जिम्मेदार होगा.

रिपोर्ट में आगे सर्कार द्वारा हिन्दू विरोधी और संविधान विरोधी कानून बनाये जाने का जिक्र है वीडियो को छोटा रखने की वजह से इस Report की Detail में नहीं जाऊंगा... Description में दिए लिंक पर आप खुद पढ़ सकते हैं... https://www-jagran-com/jharkhand/dhanbad&hindu&jan&jagriti&samiti&termed&certain&sections&of&the&indian&constitution&as&anti&hindu&society&21471150-html

अब ये सारे तथ्य हमने कई अलग अलग सत्यापित Resources से इकठ्ठा किये हैं और इस प्रोग्राम में वक्फ के ऊपर अमर उजाला की भी हालिया रिपोर्ट के अंश शामिल किये गए है. उसका भी लिंक Description में डाला जा रहा है ताकि सच को आप भी अलग अलग Angle से देख सकें.

https://www-amarujala-com/madhya&pradesh/bhopal/why&is&question&on&waqf&of&one&community&other&religions&in&india&also&have&a&large&amount&of&land&2024&09&20

अगर आज देश की सेक्युलर और अम्न पसंद अवाम मौजूदा हालात के खिलाफ अपना अहतजाज दर्ज नहीं कराती है तो कल उनके भी नागरिक अधिकारों और नस्लों की रक्षा नहीं होगी. सत्ता के लालची और चापलुस राजनीतिज्ञों की मंडली हमेशा से अवसरवादी रही है, साम्राजयवाद और पूंजीवादियों की गुलाम रही है जिसके लिए जमीर, अना, कौम, इज्जत और सब कुछ बेचा गया है... मगर अच्छे लोग भी हमेशा हर समाज और दौर में रहे हैं जो आज भी हैं मगर बहुत कम.

दुनिया अमीर लोगों की जागीर बन गई,
गुरबत हमारे पांव की जंजीर बन गई,

हमने हुनर भी बेचा तो कीमत न मिल सकी,
उसने जमीर बेचा तो तकदीर बन गई.

सिमरा थाना में एक महिला ने लिखित आवेदन देते हुए बैराव पंचायत सरपंच पर गलत नीयत से छेड़खानी करने का लगाया आरोप, प्राथमिकी हुआ दर्ज

औरंगाबादः (बिहार) सिमरा थाना में एक महिला ने बैराव पंचायत सरपंच, संतोष कुमार सिंह पर गलत नीयत से छेड़खानी करने का आरोप लगाकर लिखित आवेदन देते हुए बुधवार दिनांक – 25 सितंबर 2024 को प्राथमिकी दर्ज कराई है. जिसका केस नं – 42 / 24 दर्ज किया गया है. लेकिन दूसरी तरफ जब संवाददाता की मुलाकात बैराव पंचायत सरपंच से शुक्रवार दिनांक – 27 सितंबर 2024 को हुई. तब बातचीत के क्रम में सरपंच ने बयान देते हुए कहा कि जिस महिला ने मेरे ऊपर बेबुनियाद आरोप लगाते हुए सिमरा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है. उसका मामला जमीन विवाद से जुड़ा हुआ है.

विवादित जमीन के मामले में हम एक साल पहले स्पॉट पर भी गए हुए थे. लेकिन जिसका जमीन है. वह निजी जमीन है. इसी जमीन में महिला रास्ता मांग रही है. उस वक्त निजी जमीन के मालिक से हम लोगों के बीच में ही समझौता भी हुआ था. जिसमें 11, 000 रुपया देने की बात हुई थी. लेकिन जिससे समझौता हुआ था. वह तीन भाई है. उसका कहना था कि हमारे सभी भाइयों की सहमति होगी. तभी ना हम निजी जमीन में रास्ता देंगे. इसलिए फिर बात बिगड़ गई. आपस में भाइयों की संपत्ति नहीं बनी. जिसके वजह से उन लोगों ने अपना निजी जमीन में रास्ता देने से साफ मना कर दिया. और रास्ता देने के लिए तैयार ही नहीं है. तो हम लोग क्या करें. वही बैराव पंचायत के मुखिया, सिकंदर यादव से भी जब संवाददाता की मुलाकात गुरुवार को ही अपने आवास पर हुई. तब बातचीत के क्रम में स्थानीय मुखिया ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ीत जिस महिला ने सिमरा थाना में सरपंच के खिलाफ लिखित आवेदन देते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है. उसमें हकीकत है कि यह मामला जमीन विवाद से ही जुड़ा हुआ है.

पीड़ित महिला का इन लोगों ने रास्ता एकदम बिल्कुल बंद कर दिया है. पीड़ित महिला का मकान पीछे में बना हुआ है, और अपने घर से गली में निकलने के लिए मात्र एक – डेढ़ फीट का ही रास्ता है. उसी रास्ते से पीड़ित महिला एवं उसके परिजन प्रतिदिन किसी प्रकार दुबक कर निकलते हैं. पीड़ित महिला का इन लोगों द्वारा जबरन रास्ता बंद किए जाने के कारण ही कई जानवर भी घर में ही बांधे हुए मर गया.

पीड़ित महिला गरीब है. इसलिए विपक्षी लोग चाह रहे हैं कि इस महिला को इतना तंग – तबाह कर दो कि औने – पौने दामों में ही हम लोगों को अपना पूरा जमीन – मकान देकर भाग जाए. इसलिए इन सभी लोगों ने मिलकर पीड़ित महिला को जबरदस्ती तो किया ही है. जो घोर अन्याय है. इसके बाद जब संवाददाता ने रविवार दिनांक – 29 सितंबर 2024 की संध्या पश्चात सिमरा थाना प्रभारी के सरकारी मोबाइल नंबर पर संपर्क स्थापित कर थाना प्रभारी से बात की.

तब उन्होंने भी हमसे हुई बातचीत के क्रम में कहा कि यह मामला जमीनी विवाद से ही जुड़ा हुआ है. पीड़ित महिला के साथ 11,000 रुपया में विपक्षी का समझौता भी हुआ था कि हम लोग अपना निजी जमीन में रास्ता दे देंगे. लेकिन फिर इन लोग रास्ता देने से मुकर गए. जिसकी वजह से पीड़ित महिला का घर में ही कई जानवर बांधे रहने के कारण मर गया. और विपक्षी ने पीड़ित महिला का रास्ता बिल्कुल बंद कर दिया है. इसलिए यह घोर अन्याय तो है ही.

तब फिर सिमरा थाना प्रभारी ने संवाददाता से हुई बातचीत के क्रम में ही कहा कि इस मामले में दो गुट बंटा हुआ है. अभी तो अनुसंधान जारी है.

सरकारी नियम के मुताबिक रास्ता के लिए जो जमीन देना है. उतना जमीन तो देना ही पड़ेगा. अंत में फिर थाना प्रभारी ने संवाददाता से हुई बातचीत के क्रम में कहा कि जमीन विवाद के मामले में हम और सी.ओ. साहब दोनों ने मिलकर एस.डी.ओ. साहब से भी बोले हैं. इस केस में अनुसंधान जारी है. जब – तक इस केस में अनुसंधान पूरी नहीं हो जाती है. तब – तक इसमें क्या कहा जाए.

–अजय कुमार पाण्डेय

जनसुराज की ओर से औरंगाबाद में आयोजित किया गया प्रेस कांफ्रेंस

औरंगाबादः (बिहार) रविवार दिनांक – 29 सितंबर 2024 को बिहार के अलग–अलग जिलों में जन सुराज की राज्य कार्यवाहक समिति की घोषणा की गई. इसी संबंध में औरंगाबाद में भी एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया. आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को जन सुराज के प्रतिनिधि एवं रोहतास जिला निवासी, अतेंद्र सिंह ने मंच से संबोधित किया.

आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में औरंगाबाद जिले से 45 लोगों के नामों की घोषणा की गई. जिसमें औरंगाबाद प्रखंड से सिद्धेश्वर विधार्थी, खुर्शीद अहमद, संजय यादव तथा अजय पासवान का नाम शामिल रहा. देव प्रखंड से बाला जी, मनोज कुमार सिंह तथा प्रवीण सिंह का नाम शामिल रहा. कुटुंबा प्रखंड से विजय पाण्डेय, नरेंद्र कुमार राम, शंभू चौधरी एवं अशोक कुशवाहा का नाम शामिल रहा. नबीनगर प्रखंड से सच्चिदानंद सिंह, दूधेश्वर पासवान, हरि राम तथा ब्रजमोहन सिंह का नाम शामिल रहा. बारुण प्रखंड से शशांक शेखर दुबे, उपेन्द्र पासवान, धनंजय सिंह एवं उपेन्द्र ठाकुर का नाम शामिल रहा. दाउदनगर प्रखंड से राजेंद्र प्रसाद, भगवान सिंह, उमेश सिंह, नंदकिशोर यादव एवं कौशलेंद्र सिंह का नाम शामिल रहा. ओबरा प्रखंड से अजीत यादव, अरुण पासवान, अभिमन्यु शर्मा, डॉक्टर अभिषेक सिंह, अधिवक्ता, उदय नारायण सिंह एवं हरेंद्र कुमार का नाम शामिल रहा. हसपुरा प्रखंड से गोपाल सिंह तथा सुरेंद्र यादव का नाम शामिल रहा. गोह प्रखंड से डॉक्टर राम उदय कुमार, मनोज शर्मा, चंद्र मणि देवी, बंकटेश शर्मा एवं अशोक प्रसाद का नाम शामिल रहा. रफीगंज प्रखंड से कार्तिक शर्मा, तजम्मुल खान, बिदाई देवी, आरिफ रजा एवं नीरज कुमार सिंह का नाम शामिल रहा. मदनपुर प्रखंड से दयानंद कुमार कुशवाहा, विकास कुमार सिंह एवं कमलेश कुमार का नाम शामिल रहा.

–अजय कुमार पाण्डेय

डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी ने अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया शोध पत्र

गया (बिहार): गौतम बुद्ध महिला कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर–सह–अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी ने मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग द्वारा कल्चर, क्रियेटिव आर्ट एण्ड लिटरेचर विषय पर 27 सितंबर, 2024 से 28 सितंबर, 2024 तक आयोजित दो–दिवसीय बहुविषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में क्वेस्ट फॉर फ्रीडम एण्ड सेल्फ–आइडेंटिटी इन द सेलेक्ट इंडियन इंग्लिश नोवेल्स विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया.

डॉ. रश्मि ने बतलाया कि मल्टी–डिसिप्लिनरी इन्टरनेशनल सेमिनार के तहत एमयू के स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग में आयोजित पैरेलल सेशेन थर्ड बी की अध्यक्षता प्रो. डॉ पीयूष कमल सिन्हा, पूर्व स्नातकोत्तर इतिहास विभागाध्यक्ष, एमयू ने की.

सिन्हा की अध्यक्षता में डॉ रश्मि ने सोशल इम्पैक्ट ऑन आर्ट, लिटरेचर एण्ड कल्चर उपविषय के तहत अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया. प्रो सिन्हा ने डॉ. रश्मि द्वारा प्रस्तुत रिसर्च पेपर को अत्यंत महत्वपूर्ण, सारगर्भित तथा व्यक्ति की स्वतंत्रता एवं स्व–पहचान स्थापित करने में इंडियन इंग्लिश लिटरेचर की भूमिका को स्पष्ट करने वाला बताया.

इस सत्र में डॉ सारस्वत शम्सी, डॉ रवि प्रकाश, तमन्ना खातून, आरती कुमारी, रूपेश कुमार व अन्य डेलिगेट्स एवं रिसर्च स्कॉलर्स ने भी अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये.

–विश्वनाथ आनंद

अनुग्रह स्कूल के बच्चों ने बुजुर्गों की सेवा का लिया संकल्प

औरंगाबाद (बिहार) : जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय में प्रिंसिपल उदय कुमार सिंह की अध्यक्षता में अंतराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस धूमधाम से मनाया गया. बच्चों के दादा दादी को स्नेहभरा आमंत्रण देकर बुलाया गया था. बच्चों ने आए बुजुर्गों के पांव पखारे एवम प्रिंसिपल उदय कुमार सिंह ने सभी को तिलक लगाकर अभिनंदन किए. प्रिंसिपल ने कहा कि आज के आधुनिक समाज में यह बहुत ही आवश्यक है कि बुजुर्गों की कद्र बढ़े, उनकी सेवा हो और उनके जीवन के अनुभवों एवम तुजुर्बों को आत्मसात किया जाए. वृद्धजन हमारे जीवन एवम समाज के एक मजबूत स्तंभ होते है और इनके ज्ञान के अनुपम प्रकाश से समाज आलोकित होता है.

इस मौके पर पधारी बेरासी वर्षीया सुशीला सिन्हा ने प्रिंसिपल को बहुत आशीर्वाद दीं और कहीं कि ऐसे आयोजनों से बच्चों को एक बेहतर संस्कार दिया जा रहा है. विद्यालय के बच्चों ने समाज में सभी बुजुर्गों को सेवा, कद्र एवम सम्मान देते रहने का संकल्प लिया.

–विश्वनाथ आनंद

राजनितिक तरकश ने नई दिल्ली से आरंभ किया विकसित दिल्ली अभियान

राजनीतिक तरकश और लोक भागीदारी मंच के संयुक्त तत्वाधान में आज विकसित दिल्ली अभियान का उद्घोष किया गया. दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के स्पीकर हॉल में आयोजित एक विराट कार्यक्रम में देश और दिल्ली के अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार बंधु, उद्योगपति, तकनीकी विशेषज्ञ, बौद्धिक वर्ग सहित प्रमुख हस्तियों ने दिल्ली को विकसित बनाने का संकल्प लिया.

सभी जानते हैं कि भारत की राजधानी दिल्ली को विकसित किए बिना विकसित भारत का लक्ष्य असम्भव है. इसलिए सभागार में उपस्थित सभी लोगों ने जयघोष के साथ जितेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में भागीदारी करने का वचन दिया. जितेंद्र तिवारी ने भी जन आकांक्षाओं के अनुरूप घोषणा करते हुए बताया कि विगत डेढ़ दशक से भी अधिक समय मे उन्होंने मीडिया सहित सामाजिक, सांस्कृतिक, व्यवसायिक, राजनीतिक, धार्मिक क्षेत्रों में सज्जनशक्तियों का एक बड़ा प्रभावशाली नेटवर्क संगठित किया है जो देश समाज, मानवता और विश्व कल्याण जैसे बड़े उद्देश्यों के लिए एक प्रारम्भिक इकोसिस्टम खड़ा करने में पूर्ण रूप से सक्षम है.

उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों के सम्पूर्ण विकास और खुशियों के लिए हम विकसित दिल्ली अभियान अपनी इसी क्षमता और आवश्यकता के लिए प्रारम्भ कर रहे हैं. जितेन्द्र तिवारी ने बड़े और तत्काल बदलाव के लिए सभी से एकजुट होने का आह्वान किया. उन्होंने विकसित दिल्ली अभियान के लिए अपने सेवा संस्मरणों का एक एककर उल्लेख किया.

उन्होंने स्पष्ट किया कि ये सब सफलताएं उनका पायलट प्रोजेक्ट रही है और अब समग्र रूप से पूरी रणनीति, प्रक्रिया, संगठन, योजना के अनुसार वे विकसित दिल्ली के लिए कमर कस चुके हैं. उन्होंने विकसित दिल्ली के महाभियान हेतु इस पहले पड़ाव को उम्मीदों से बड़ा, अत्यंत सफल, ऊर्जादायक और ठोस आधार वाला बताते हुए हर्ष प्रकट किया.

लोक भागीदारी मंच के संचालक श्री सुसज्जित कुमार ने विकसित दिल्ली अभियान का एक शोध आधारित, प्रमाणिक, संवैधानिक, व्यवहारिक रोड़ मैप प्रस्तुत किया. संयुक्त राष्ट्र संघ के 17वें सतत विकास लक्ष्य को जमीनी स्तर पर समग्र जनभागीदारी द्वारा क्रियान्वित करने का यह विश्व का सर्वश्रेष्ठ मॉडल है. भारत की वर्तमान 16वीं जनगणना की थीम

जनगणना से जनकल्याण को ठोस आयाम देते हुए सुसज्जित कुमार ने अनेक पायलट प्रोजेक्ट के उदाहरण प्रस्तुत किये. उन्होंने जोर देकर कहा कि अब विकसित भारत के लिए जनगणना के 150 वर्ष पुराने अप्रचलित, पारंपरिक, हानिकारक तरीको को बदलने का समय है. जाति जनगणना जैसे अनुपयुक्त विषय में उलझे पक्ष विपक्ष को अब आधुनिक, उपयोगी और नवाचारी मॉडल के लिए सोचना चाहिए. IT क्षेत्र में नम्बर एक भारत को अब महागणना के आधुनिक और भविष्य के सिस्टम को अपनाना चाहिए. सुसज्जित कुमार ने दावा किया कि लोक भागीदारी मंच के पास ऐसे अनेक विषयों में महारथ हासिल है जिनसे बहुत कम समय मे दिल्ली, देश और दुनिया के कल्याण हेतु बहुत कुछ किया जा सकता है.

लोक भागीदारी मंच के इस महत्वपूर्ण, अति महत्वाकांक्षी और लोकहितकारी आयाम को सबसे पहले राजनीतिक तरकस समाचार पत्र के मुख्य संपादक श्री जितेंद्र तिवारी ने समझकर इसे दिल्ली से शुरुआत करने का निर्णय लिया है. जितेंद्र जी के संयोजन में विकसित दिल्ली अभियान की एक बहुत बड़ी टीम का गठन इस कार्यक्रम में किया गया. विकसित भारत हेतु सरकार के साथ साथ समाज द्वारा इस दिशा में भागीदारी करने का यह एक क्रांतिकारी कदम है. अपने जोशीले और शौर्यपूर्ण अंदाज में जितेंद्र तिवारी जी ने विकसित दिल्ली का संकल्प करते हुए कहा कि जब हमारे पास आर्थिक, सामाजिक, बौद्धिक क्षेत्र की पर्याप्त भागीदारी है और सरकारों का भी दिल्ली को विकसित बनाने का पूरा प्रयास हो रहा है तो अब इस स्वर्णिम समय मे हम यह संकल्प को सिद्ध करके ही रहेंगे.

वरिष्ठ पत्रकार श्री उमेश चतुर्वेदी ने बताया कि आजादी के समय दिल्ली की कुल आबादी मात्र 6 लाख थी जो वर्तमान में 3 करोड़ 30 लाख से ज्यादा हो गई है ग्लोबल सिटी इंडेक्स में दिल्ली की रैंकिंग दुनियां के शहरों में 350 वें नम्बर पर है जो बहुत ही चिंता जनक है. उन्होंने दिल्ली को विकसित बनाने के साथ भारत के गांवों से हो रहे पलायन पर भी चिंता जाहिर की. समग्र विकास की अवधारणा से लोकतंत्र को संरक्षित करने के लिए उन्होंने अनेक बहुमूल्य सुझाव दिए.

व्यापारियों के संगठन के प्रतिनिधि डॉ. गौरव गुप्ता ने कहा कि विकसित दिल्ली के निर्माण के लिए व्यापारी वर्ग के प्रति सरकारी विभागों को सकारात्मक सोच रखना होगा. उन्होंने विकसित दिल्ली की बडी सोच को मिल जुलकर पूरा करने का संकल्प दोहराया.

योग प्रशिक्षिका सुश्री एकता सिब्बल ने योग को जीवन में शामिल करने पर बल दिया और कहा कि हमारी सांसे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण सम्पत्ति है, इसलिए सांसों के प्राणायाम करके जीवन को स्वास्थ बनाया जा सकता है. इस पर सभी को गंभीर होने की जरुरत है.

मथुरा से लोक भागीदारी मंच की सह संचालक व शोध छात्रा सुश्री शिवानी चौधरी और बल्देवगढ़ गाँव मे संचालित देश के पहले राष्ट्र निर्माण केंद्र के अध्यक्ष डॉ राजकुमार जी ने अपनी टीम के सदस्यों हेमा चौधरी, पवन तूफानी, नव्या, भूपेंद्र चौधरी, आकाश चौधरी का परिचय कराया. उन्होंने संकेत दिया कि ब्रजभूमि से राष्ट्र प्रतिष्ठा द्वारा एक वर्ष में विकसित भारत के लिए 16 सूत्र स्थापना समारोह की तैयारी अपने अंतिम चरण में है. इसके बाद दिल्ली और पूरे देश मे विकसित भारत अभियान को राकेट की रफ्तार से गति दी जाएगी.

कार्यक्रम में आए आगंतुकों खासकर सामाजिक गतिविधियों में संलिप्त समानित अतिथिः अशोक चौहान, पूर्व विधायक अंबेडकर नगर (दक्षिण दिल्ली), मयंक मधुर, राजनीतिज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता, डॉ. अंशुमान सिंह, अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार स्टार्टअप और उद्यमी संघ (आईबीएसईए), प्रशांत शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार, राजस्थानी अकादमी दिल्ली के युवा अध्यक्ष, ब्रज बाबू, अध्यक्ष, वैश्विक युवा शांति समिति, सुश्री शिवानी चौधरी, संस्थापक और सीईओ, शिवानी सिनर्जी लाइब्रेरीय सुश्री नीलम रावलानी सह निदेशक, लोक भागीदारी मंच, डॉ. राजकुमार अध्यक्ष, राष्ट्र निर्माण केंद्र, बल्देवगढ़, मथुरा प्राकृतिक चिकित्सक, वृंदा नेचुरल हॉस्पिटल, वृन्दावन महासचिव, अखिल भारतीय मानव सेवा संघ, मथुरा, मोनिका यादव सह–संस्थापक और सीईओ–स्टीम वर्सिटी टीना पुरी, सामाजिक कार्यकर्ता, बीना शर्मा सामाजिक कार्यकर्ता, विकसित दिल्ली के योद्धा के रुप में प्रो (डॉ) जसपाली चौहान, के. डी. पाठक, डॉ संजीव कुमार वर्मा, यशवंत राज, बीर सिंह, धर्मेंद्र पांडे, मुकेश शर्मा, डॉ सोनाली खत्री, सरदार बलविंदर सिंह, भगवत सिंह, दीपक कुमार मिश्रा, उमा शर्मा को सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम का कुशल प्रबंधन राजनीतिक तरकस साप्ताहिक के प्रबंध संपादक राजेश तिवारी और तरकस डिजिटल की सब–एडिटर शुचि तिवारी ने किया. –टॉप

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस मनाया गया. 100% स्वैच्छिक रक्तदान से कोसों दूर भारत!

रक्त शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है. प्रत्येक अंग को कार्य करने के लिए पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित रक्त की आवश्यकता होती है. रक्त का निर्माण न तो कारखानों में होता है, न ही खदानों या वनस्पति से उपलब्ध होता है. जानवरों का खून इंसानों के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता. किसी इंसान को दूसरे इंसान (जिसे रक्त की आवश्यकता होती है) को जीवित रखने के लिए खून देना पड़ता है .

1 अक्टूबर को राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्त दिवस के रूप में मनाया जाता है. नेशनल थैलेसीमिया वेलफेयर सोसाइटी (एनटीडब्ल्यूएस) और फेडरेशन ऑफ ब्लड डोनर ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया (एफबीडीओआई) ने इस दिन कॉन्स्टिट्यूशन क्लब नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय कार्यशाला और पुरस्कार समारोह का आयोजन किया. रक्त दाताओं, रक्त दाता संगठनों, चिकित्सकों, ब्लड बैंक अधिकारी सहित स्वैच्छिक रक्त दान के लिए समर्पित लगभग 150 हितधारकों ने 100% स्वैच्छिक गैर–लाभकारी रक्त दान और सुरक्षित रक्त की कमी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए पूरे दिन का विचार–मंथन सत्र आयोजित किया.

कार्यशाला का उद्घाटन राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष और पूर्व गृह राज्य मंत्री श्री हंसराज अहीर ने किया. अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा उपहार जो हम

एक व्यक्ति के रूप में दूसरे व्यक्ति को दे सकते हैं वह रक्त का उपहार है. पूरे देश में ब्लड बैंकों में रक्त की लगातार कमी हो रही है.

नेशनल थैलेसीमिया वेलफेयर सोसाइटी के महासचिव डॉ. जेएस अरोड़ा ने कहा, "थैलेसीमिया, सिकल सेल, हीमोफिलिया और अप्लास्टिक एनीमिया जैसे रक्त विकारों से पीड़ित व्यक्तियों या आघात, सर्जरी, प्रसव या रक्तस्राव की स्थिति जैसी आपातकालीन स्थितियों में रक्त की नियमित रूप से आवश्यकता होती है." डॉ. अरोड़ा ने कहा, दान किए गए रक्त को तीन भागों में विभाजित किया जाता है – लाल रक्त कोशिकाएं, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स, इस प्रकार दान किए गए रक्त की प्रत्येक यूनिट से तीन लोगों की जान बचाई जाती है. भारत में हर दो सेकंड में किसी न किसी को रक्त की आवश्यकता होती है और हममें से प्रत्येक तीन में से एक को अपने जीवनकाल में रक्त की आवश्यकता होगी. रक्तदान से कमजोरी नहीं आती. 18 से 60 वर्ष की आयु का कोई भी व्यक्ति जिसका हीमोग्लोबिन स्तर 12.5 ग्राम से अधिक और वजन 45 किलोग्राम से अधिक हो,

हर तीन महीने में रक्तदान कर सकता है. नियमित दानकर्ता 65 वर्ष की आयु तक दान कर सकते हैं. प्लाज्मा की मात्रा 24 – 48 घंटों के भीतर, लाल रक्त कोशिकाएं लगभग 3 सप्ताह में और प्लेटलेट्स और सफेद रक्त कोशिकाएं मिनटों के भीतर पुनर्प्राप्त हो जाती हैं. यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि 18–25 आयु वर्ग के 85.5 प्रतिशत भारतीय युवाओं ने कभी रक्तदान नहीं किया है. एफबीडीओआई के महासचिव श्री अपूर्व घोष ने कहा कि भारत को 14.6 मिलियन यूनिट रक्त की आवश्यकता है जो पूरी नहीं है, 1 मिलियन यूनिट की भारी आपूर्ति का अंतर है. मानवता के लिए निस्वार्थ भाव से रक्त दान करना स्वैच्छिक रक्तदान कहा जाता है. 100ः स्वैच्छिक दान भारत में रक्त सुरक्षा को बढ़ा सकता है , लेकिन वर्तमान में, दान किया गया केवल 70ः रक्त स्वैच्छिक आधार पर है और 30ः अभी भी प्रतिस्थापन रक्त है .

डॉ. अरोड़ा ने कहा कि रक्तदान रक्तदाताओं के लिए भी फायदेमंद है. नियमित रक्तदान से दिल के दौरे का खतरा कम होता है और ताजा रक्त कोशिकाओं के निर्माण को भी बढ़ावा मिलता है. एफबीडीओआई की अध्यक्ष डॉ. संगीता पाठक ने कहा चूंकि दाता के रक्त की हीमोग्लोबिन और एसटीडी के लिए जांच की जाती है, इसलिए संयोग से दाता में अंतर्निहित एनीमिया और कुछ रक्त संक्रमणों का भी निदान किया जा सकता है .

एनटीडब्ल्यूएस की उपाध्यक्ष डॉ. स्वर्ण अनिल ने अपने संबोधन में कहा कि रक्तदान करने से दानकर्ता को सामुदायिक सेवा करने और किसी की जान बचाने में अपनी भूमिका निभाने के लिए भलाई की भावना मिलती है.

युवा नियमित रक्त दाताओं और रक्त दाता संगठनों को उनकी प्रेरणा को पहचानने, सराहना करने और प्रोत्साहित करने के लिए सम्मानित किया गया ताकि हमारे रक्त बैंकों में पर्याप्त सुरक्षित रक्त हो. –टॉप

राहुल गांधी ने जम्मू और कश्मीर में जनता को किया संबोधित

राहुल गांधी ने विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा– भरत सोलंकी, मुकेश अग्निहोत्री, विकार रसूल वानी, हमारे कैंडिडेट्स रमन भल्ला, मूला राम, नीरज कुंदन, तरनजीत सिंह टोनी, मनमोहन सिंह, बलबीर सिंह, योगेश साहनी, स्टेज पर कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेता, गठबंधन के नेता, भाइयो और बहनो, प्यारे कार्यकर्ताओं, आप सबका यहां बहुत–बहुत स्वागत, नमस्कार। कैसे हैं आप लोग? मूड कैसा है आपका, मूड बढ़िया है?

हिंदुस्तान की हिस्ट्री में 1947 के बाद बहुत सारी यूनियन टेरिटरीज को स्टेट बनाया गया, स्टेट्स को बांटा गया। आंध्र प्रदेश में से तेलंगाना बना, बिहार में से झारखंड, मध्य प्रदेश में से छत्तीसगढ़, मगर पहली बार इंडिपेंडेंस के बाद एक स्टेट को यूनियन टेरिटरी में बदला गया, वह जम्मू–कश्मीर के साथ हुआ है और मैं इस स्टेज से आपसे कहना चाहता हूं कि यह आपके खिलाफ अन्याय है। आपका लोकतांत्रिक हक आपसे छीन लिया गया है और आज जम्मू–कश्मीर को जम्मू–कश्मीर के लोग नहीं चलाते हैं। आज जम्मू–कश्मीर को दूसरे स्टेट के लोग चलाते हैं।

हमने सोचा था कि चुनाव से पहले आपको स्टेटहुड वापस मिल जाएगा और सही तरीका वही था। सही तरीका था कि पहले स्टेटहुड दो और उसके बाद चुनाव कराओ। अब ठीक है पहले चुनाव करा दिया, मगर हम चाहते हैं कि जल्दी से जल्दी आपका जो लोकतंत्रिक हक है, जम्मू–कश्मीर का जो स्टेटहुड है, वह आपको वापस मिले। यह हिंदुस्तान की हिस्ट्री में पहले कभी नहीं हुआ है कि किसी स्टेट से हमने उनका अधिकार छीन लिया और स्टेट को यूनियन टेरिटरी में बदल दिया, पहली बार हुआ है और मैं सही बोलूं, तो यह कभी नहीं होना चाहिए, किसी और स्टेट के साथ यह कभी नहीं होना चाहिए और मैं आपको यहां गारंटी देता हूं कि अगर बीजेपी ने आपको स्टेटहुड नहीं दिया, तो हम विपक्ष में हैं, हम इंडिया गठबंधन का पूरा दम आपको स्टेटहुड दिलवाने में लगा देंगे।

पार्लियामेंट का इस्तेमाल करेंगे, लोकसभा का इस्तेमाल करेंगे, राज्यसभा का, सड़कों पर उतरेंगे और हम आपको जो आपका हक है वापस दिलाएंगे और अगर किसी कारण बीजेपी ने नहीं माना, तो फिर हम पहला काम, जैसे ही इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी, जो बनने जा रही है। पहला काम हम जम्मू और कश्मीर के लोगों को स्टेटहुड देने का करेंगे, क्योंकि यह आपका का हक है, यह आपका फ्यूचर है। इसके बिना आप आगे बढ़ ही नहीं सकते, जम्मू कश्मीर का आप सपना देख ही नहीं सकते हो, जम्मू हब है। कश्मीर को, कश्मीर के बिजनेसेस को, कश्मीर के प्रोडक्शन को बाकी हिंदुस्तान से जोड़ता है, सेंट्रल हब है ये और इस हब का जो काम था, उसको इन लोगों ने खत्म कर दिया है। इसका जो रोल था, उसको इन लोगों ने खत्म कर दिया है।

जम्मू के जो छोटे बिजनेसेस थे, मीडियम साइज बिजनेसेस थे, एंटरप्रेन्योर्स थे, इनकी रीढ़ की हड्डी बीजेपी की सरकार ने और यहां के लेफ्टिनेंट गवर्नर ने तोड़ दी है। नतीजा यह है कि जम्मू–कश्मीर के लोगों, को युवाओं को रोजगार नहीं मिल सकता है। आप कुछ

भी कर लो, जब तक जम्मू–कश्मीर के स्मॉल और मीडियम बिजनेसेस अपने पैरों पर नहीं खड़े होंगे, तब तक इस प्रदेश में, इस यूनियन टेरिटरी में रोजगार नहीं मिल सकता। आप कुछ भी कर लो जब तक लेफ्टिनेंट गवर्नर है, तब तक बाहर के लोगों को फायदा मिलेगा, सारे के सारे कांट्रैक्ट उनको जाएंगे और जो जम्मू की जनता है, कश्मीर की जनता है, उनको परे कर दिया जाएगा, यह रियलिटी है और एक कारण भी है कि आपसे स्टेटहुड छीना गया। कि वह चाहते हैं कि जम्मू–कश्मीर को, जम्मू–कश्मीर के लोग ना चलाएं, बाहर के लोग चलाएं, लेफ्टिनेंट गवर्नर के माध्यम से काम हो और जम्मू–कश्मीर की जनता की जो प्रोस्पेरिटी है, वह खत्म हो जाए। यह आक्रमण जो जम्मू–कश्मीर में स्मॉल और मीडियम बिजनेसेस पर हुआ है, यह बाकी देश में भी हुआ है। पूरी सरकार अडानी–अंबानी जैसे अरबपतियों के लिए चलती है।

जीएसटी एक हथियार है। जम्मू के एंटरप्रेन्योर्स, जम्मू के स्मॉल और मीडियम बिजनेसेस पर आक्रमण करने का हथियार है। नोटबंदी एक हथियार था। यह पॉलिसीज नहीं हैं, यह हथियार हैं और इनका लक्ष्य रास्ता साफ करने का है। किसके लिए – अडानी और अंबानी जैसे अरबपतियों के लिए। नोटबंदी औरएसटी ने, गलतएसटी ने हिंदुस्तान में लाखो स्मॉल और मीडियम बिजनेसेस खत्म कर दिए। अभी मेरा प्रोग्राम था, कुछ मिनट पहले मेरा प्रोग्राम था, एक लड़की आती है, कहती है– राहुल, मेरा सपना था, मैं छोटा बिजनेस चालू करना चाहती थी। गवर्नमेंट ने कहा कि ग्रांट मिलेगा। मैंने पूरी प्रिपरेशन कर दी, एरोमेटिक्स का मेरा बिजनेस था। मैंने पूरी तैयारी कर दी, मुझे कहा कि पैसा मिलेगा, पैसा नहीं आया। मेरी मां की डेथ हो गई, मेरे पिता ने मेरी मदद की, मगर मेरा बिजनेस खत्म हो गया। आज मैं छोटा बिजनेस नहीं चलाना चाहती हूं, क्योंकि मैं जानती हूं कि जम्मू–कश्मीर में छोटा बिजनेस नहीं चलाया जा सकता है। मगर यही आपकी रीढ़ की हड्डी है, यही आपकी स्ट्रेंथ है, इसी में आपका रोजगार है, इसी में आपका भविष्य है और आप किसी भी युवा से पूछ लो, वही जवाब मिलेगा।

वो लड़की अब कह रही है कि मैं एडमिनिस्ट्रेशन में जाना चाहती हूं, मैं आईआईटी में जाना चाहती हूं। आईआईटी में कितने लोग जाएंगे, एडमिनिस्ट्रेशन में कितने लोग जाएंगे – एक परसेंट जाएंगे, दो परसेंट जाएंगे, तीन परसेंट जाएंगे, पांच जाएंगे, 95 परसेंट का क्या होगा। जहां भी देखो, वहां आपको अडानी– अंबानी दिखेगा। पहले आपका रोल था, कश्मीर के सेब यहां से निकलते थे, आप बाकी हिंदुस्तान में भेजते थे।

आज पूरी की पूरी सेब की इंडस्ट्री अडानी के हाथ में है, हिमाचल का सेब अडानी के हाथ में, जम्मू–कश्मीर का सेब अडानी के हाथ में और हर इंडस्ट्री में यही हो रहा है। एयरपोर्ट में जाते, अडानी टैक्स। पोर्ट में जाओगे अडानी टैक्स, मोबाइल फोन चलाओगे अंबानी टैक्स, सड़क पर चलोगे अडानी टैक्स, अनाज में अडानी टैक्स, सेना हथियार का प्रयोग करेगी अडानी टैक्स, कारतूस अडानी टैक्स, अग्निवीर अडानी टैक्स, ये कब तक चलेगा?

16 लाख करोड़ रुपए कर्जा माफ किया है अडानी–अंबानी जैसे 25 लोगों का नरेंद्र मोदी ने। (जनसभा ने कहा– शेम) आप शेम कह रहे हो, मगर मैं आपसे पूछना चाहता हूं, जम्मू के छोटे बिजनेस वालों का, जम्मू के किसानों का कितना टैक्स माफ हुआ है? जो आपके युवा 18–19 घंटे पढ़ाई करते हैं, सपना देखते हैं, एजुकेशन के लिए लोन लेते हैं, उनका कितना माफ हुआ है पैसा, उनके कितने बैंक लोन माफ हुए हैं? कोई बीमार होता है, अस्पतालों में लाखों रुपए लग जाते हैं, उनका कितना कर्ज माफ हुआ है,रो। आप अगर बैंक लोन लेते हो और पैसा वापस नहीं देते हो, आपको जेल में डाल देते हो। जेल में डाल देते हैं और अंबानी–अडानी जैसे लोग बैंक लोन लेते हैं, पैसा वापस नहीं देते हैं, कहते हैं चलो और पैसा ले लो। कितना चाहिए, एक हजार करोड़, दो हजार करोड़, पचास हजार करोड़, एक लाख करोड़, जितना चाहिए ले लो, जो करना है करो, जो इंडस्ट्री खरीदनी है, खरीदो। लखनऊ का एयरपोर्ट चाहिए, ले लो। मुंबई का एयरपोर्ट चाहिए, अच्छा वो किसी और के हाथ में है, चलो सीबीआई केस लगाओ, ईडी केस लगाओ, परे करो इसको, अडानी को दो। ये मेक इन इंडिया, मेक इन इंडिया, मेक इन इंडिया बात करते रहते हैं।

डिफेंस इंडस्ट्री की बात करते हैं, सारे का सारे कॉन्ट्रैक्ट अडानी जैसे लोगों को जा रहे हैं। बाहर इजराइल की कंपनी हथियार बनाती है, लेबल अडानी का लग जाता है। इजराइल की कंपनी ड्रोन बनाती है, लेबल अडानी का लग जाता है और कहते हैं मेक इन इंडिया हो गया।

कैसे मेक इन इंडिया हो गया, इजराइली हथियार है, मेक बाय अडानी हो गया है, मेक इन इंडिया नहीं हुआ है और यही हालत पूरे देश में है। अगर आप गरीब हो, तो इलेक्ट्रिक मीटर लगेगा, मॉडर्न टेक्नोलॉजी लगेगी, चमकते हुए मीटर लगेंगे, आपकी जेब में से पैसा निकालते जाएंगे, निकालते जाएंगे,एसटी लगेगी।

अभी आपने पता नहीं अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट वाली कहानी सुनी या नहीं। वो फाइनेंस मिनिस्टर के सामने खड़ा होता है, कहता है मैडम बड़ी मुसीबत है। मैं अगर बन बेचूं एकएसटी लगती है, अगर उसमें क्रीम डाल दूं, दूसरीएसटी लगती है। अगर बन और क्रीम अलग बेच दूं, तो तीसरीएसटी लगती है। मैं क्या करुं और यही हालत सबके साथ है। ऐसी कम्पलिकेटिडएसटी बना दी है क्यों – एक्सटोर्शन करने के लिए। गलती करो ईडी वाले, सीबीआई वाले, इनकम टैक्स वाले आ जाएंगे,एसटी वाले आ जाएंगे। पैसा लेंगे, चले जाएंगे।

यही सिस्टम चल रहा है। तो ये चुनाव आपको अधिकार देने का चुनाव है और शुरुआत स्टेट हुड है। उसके बाद सरकार आएगी, जम्मू–कश्मीर के जो स्मॉल और मीडियम बिजनेस हैं, जो लोकल इंडस्ट्री है, उनकी रक्षा करने वाली सरकार होगी। बैंक के दरवाजे आपके लिए खुलेंगे। आपको सपोर्ट मिलेगा, आपको टेक्नोलॉजी मिलेगी। उनकी जगह है, अंबानी की जगह है, अडानी की जगह है, मगर आपकी भी जगह है। ये नहीं होगा कि भईया, उनको सब कुछ दे दिया और जम्मू–कश्मीर के लोग देखते रह गए।

कश्मीरी पंडित से जो मनमोहन सिंह ने वायदा किया था, वो वायदा पूरा किया जाएगा और जो हमारे रिफ्यूजी हैं जो पाकिस्तान ऑक्यूपाइड जे एंड के से आए हैं, 2014 में जो उनसे वायदा किया गया था फाइनेंशियल पैकेज का, वो भी हम पूरा करके दिखाएंगे। ये जो स्मार्ट मीटर लगा रखे हैं, ये जो नरेंद्र मोदी की टैक्नॉलोजी है, इसको हम यहाँ से हटा देंगे, ये हमें नहीं चाहिए और जो पंजाबी है, उसको हम ऑफिशियल लैंग्वेज बना देंगे। मगर मुख्य बात मैं आपसे कहना चाहता हूं कि देखिए, एक तरफ हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री हैं, उनका डायरेक्ट कनेक्शन ऊपर है। वो भगवान से बात करते हैं, सुबह उठते हैं, वो कहते हैं कि भईया, मैं नॉन बायोलॉजिकल हूं। आप लोग बायोलॉजिकल हो, नरेंद्र मोदी नॉन बायोलॉजिकल है, वो इंसान नहीं है, वो डायरेक्ट भगवान से कनेक्शन लेता है। सुबह भगवान उनसे कहते हैं कि क्या करना है, वो करते हैं। हम इंसान हैं, हम आप जैसे हैं। हम आपकी बात सुनना चाहते हैं, समझना चाहते हैं और ये दिल का रिश्ता है।

मैं लोकसभा में हूं, अपोजिशन लीडर हूं, जहाँ भी आपको मेरी जरूरत हो, जहाँ भी जरूरत हो, रिफ्यूजी के मामले में हो, स्टेटहुड के मामले में हो, स्मॉल मीडियम बिजनेस के मामले में हो, जहाँ भी आप मुझे ऑर्डर करोगे, जो भी आपका हुकुम होगा, मैं वहाँ आपके लिए कर दूंगा और जब भी आप चाहोगे कि भईया, राहुल जम्मू आओ, हमारी बात सुनो, हमारी मदद करो, मैं आपको आपके सामने दिखूंगा। आपको स्टेट हुड देने की जरुरत है, ये मैं आपको गारंटी कर रहा हूं, आज नहीं तो कल इंडिया गठबंधन आपको स्टेट हुड देगा।

आप सबका दिल से मैं धन्यवाद करना चाहता हूं।

नमस्कार, जय हिंद।

वक्फ़ बोर्ड संशोधन विधेयक 2024 के विरोध में ऑल इंडिया तंज़ीम इंसाफ़ करेगा 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर गांधी मैदान कारगिल चौक से राजभवन तक मार्चः इरफान अहमद

पटना(बिहार): ऑल इंडिया तंजीम इंसाफ के समर्थक 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक 2024 के विरोध में पटना के गांधी मैदान कारगिल चौक से 11रू00 बजे दिन में अपने मांगों को लेकर राजभवन तक मार्च करेंगे.

उक्त जानकारी ऑल इंडिया तंजीम इंसाफ के महासचिव इरफान अहमद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कही. मोहम्मद इरफान अहमद ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में संशोधन विधेयक 2024 के विरोध में आवाज बुलंद करने के लिए सहयोग करने की अपील आम लोगों से किया है.

–विश्वनाथ आनंद

विदेश से एलजी साहब ने केवल भाजपा के पार्षदों की मौजूदगी में चुनाव कराने का आदेश दिया है: मनीष सिसोदिया

दिल्ली नगर निगम में स्टैंडिंग कमेटी का चुनाव गैर कानूनी तरीके से कराने की कोशिश कर रहे भाजपा के एलजी को आम आदमी पार्टी ने आड़े हाथ लिया. ''आप'' के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली में लोकतंत्र की हत्या हो रही है. एमसीडी का सदन स्थगित होने के बावजूद एलजी साहब ने एक घंटे की नोटिस पर स्टैंडिंग कमेटी का चुनाव कराने का फरमान जारी कर दिया, जो कि गैर संवैधानिक है. उन्होंने सवाल किया कि आखिर ऐसी क्या आफत आ गई जो एलजी साहब ने हर हाल में रात में ही चुनाव कराने का आदेश दिया है. उन्होंने कहा कि गुरुवार को स्टैंडिंग कमेटी का चुनाव होना था, लेकिन दिन भर हंगामा होने के कारण मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय ने सदन को स्थगित कर दिया और 5 अक्टूबर को स्टैंडिंग कमेटी का चुनाव कराने की तारीख तय कर दी. फिर भी विदेश में बैठे एलजी साहब द्वारा चुनाव कराने का आदेश दिया गया.

देर रात प्रेसवार्ता कर मनीष सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा लोकतंत्र की हत्या के रोज नए रिकॉर्ड कायम कर रही है और हम यह हर बार देख रहे हैं. इस समय रात 9:30 बजे भी प्रधानमंत्री मोदी के आदेश पर भाजपा दिल्ली नगर निगम में लोकतंत्र की हत्या कर रही है. सबको पता है कि आज दिल्ली नगर निगम में स्टैंडिंग कमेटी के मेंबर का चुनाव होना था. आज पूरे दिन एमसीडी में हंगामा होता रहा. मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय ने कई बार सदन को सही से चलाने की कोशिश की ताकि स्टैंडिंग कमेटी के मेंबर का चुनाव हो सके, लेकिन बार–बार हंगामा होता रहा और कई बार सदन को स्थगित करना पड़ा. फिर से मीटिंग बुलाई गई और हंगामे के कारण उसे स्थगित करना पड़ा.

मनीष सिसोदिया ने कहा कि मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय, जो कि पीठासीन अधिकारी हैं और उनके पास यह तय करने का कानूनी अधिकार है कि चुनाव कैसे होंगे, बैठक कब और कैसे होगी. उन्होंने सदन में हुए हंगामे के चलते शाम 4 बजे के बाद निर्णय लिया कि बैठक को 5 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दिया जाए. सदन की पीठासीन अधिकारी मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय के इस फैसले के बाद सारे पार्षद अपने–अपने घर चले गए. सबने मान लिया कि अब 5 अक्टूबर को चुनाव होने हैं. लेकिन तभी शाम को 8:30 बजे पता चला कि एलजी साहब ने एमसीडी कमिश्नर को चिट्ठी लिखकर कहा है कि डेढ़ घंटे के अंदर, यानी रात 10 बजे तक एमसीडी स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य का चुनाव संपन्न कराया जाए.

मनीष सिसोदिया ने कहा कि एलजी इस समय विदेश में घूम रहे हैं. उन्होंने विदेश से एमसीडी कमिश्नर को चिट्ठी लिखकर आदेश दिया है कि किसी भी कीमत पर चुनाव आज रात तक ही कराया जाए. पूरे दिन एमसीडी सदन में हंगामा होता रहा. मेयर ने भी आदेश दे दिया कि अब अगली बैठक 5 अक्टूबर को होगी. सारे पार्षद जा चुके हैं. लेकिन एलजी साहब विदेश से अचानक रात में चिट्ठी भेजकर कह रहे हैं कि रात 10 बजे से पहले चुनाव संपन्न करा दीजिए. मेयर की अध्यक्षता में करा दीजिए, वो न मिलें तो डिप्टी मेयर की अध्यक्षता में करा दीजिए और वो भी न मिलें तो किसी भी वरिष्ठ सदस्य की अध्यक्षता में चुनाव करा दीजिए.

मनीष सिसोदिया ने आगे कहा कि ऐसी क्या आफत आ गई है कि शाम को सदन स्थगित होने के बाद एलजी रात तक किसी भी तरह चुनाव कराने का आदेश दे रहे हैं? हमें पता चला कि ये चिट्ठी काउंसलर्स को भी भेजी जा रही है. पता चला कि कई सारे काउंसलर्स तो बाहर हैं. मुझे कई काउंसलर्स ने फोन करके कहा कि हम इतने कम समय में कैसे पहुंचेंगे? सवा घंटे के अंदर चुनाव संपन्न होना है.

कई पार्षद यह सोचकर नोएडा, फरीदाबाद या अन्य जगह निकल गए हैं कि अगली बैठक 5 अक्टूबर को होनी है. लेकिन अचानक उन्हें वापस लौटने को कहा जा रहा है. सवा घंटे में तो चुनाव संपन्न करना है, तो वह 30 से 45 मिनट में कैसे पहुंचेगा?

मनीष सिसोदिया ने कहा कि हमने काफी सोचा कि इसके पीछे भाजपा क्या खेल करना चाहती है. हमें नगर निगम के एक कर्मचारी ने बताया कि जब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के पार्षद सदन से चले गए, तो भाजपा ने अपने सभी पार्षदों को अपने अध्यक्ष और सांसदों के साथ एमसीडी कमिश्नर के पास बैठा लिया. उन्हें पहले से पता था कि एलजी साहब चिट्ठी लिखेंगे, इसलिए उन्हें कहीं जाना नहीं है. उनके सांसदों और अध्यक्ष को पहले से पता था कि एलजी साहब की चिट्ठी आने वाली है, और रात 10 बजे तक चुनाव के आदेश दिए जाएंगे.

उन्होंने कहा कि मेयर ने सदन को अगली तारीख तक के लिए स्थगित कर दिया. इसके बावजूद भाजपा के सारे पार्षद, सांसद, अध्यक्ष समेत सभी पदाधिकारी वहीं बैठे रहे. क्योंकि उन्हें पता था कि सारे पार्षदों के जाने के बाद एलजी साहब फिर आनन–फानन में बैठक बुलाने के लिए कहेंगे. एलजी साहब की चिट्ठी ने सारी सच्चाई सामने लाकर रख दी है. उन्होंने साफ कहा है कि मेयर, डिप्टी मेयर या किसी वरिष्ठ सदस्य के जरिए ही सही, लेकिन आज ही चुनाव करवाओ. इसका क्या मतलब है? यह खुलेआम संविधान और लोकतंत्र की हत्या है. इससे पहले चंडीगढ़ में भी भाजपा बेशर्मी से पकड़ी गई थी. आज फिर वही बेशर्मी करते हुए पकड़ी जा रही है. ये लोग पूरी दिल्ली के भविष्य के साथ खेल रहे हैं. भाजपा को बार–बार इस तरह की हरकतें करने पर शर्म आनी चाहिए.

सुप्रीम कोर्ट से फटकार मिलने के बावजूद भाजपा सुधरने का नाम नहीं ले रही है. भाजपा में हिम्मत है तो मेयर ने जो तारीख तय की है, उस पर चुनाव कराए. उसे किस बात का डर है? चार दिन बाद चुनाव हो जाएगा, इससे क्या फर्क पड़ेगा? अगर भाजपा में थोड़ी भी शर्म बची है, तो संविधान और लोकतंत्र का सम्मान करे.

SUBSCRIPTION FORM
TIMES OF PEDIA

Issue	Subscription Price	Years
52	250/-	1
104	500/-	2
260	1,300/-	5
520	2,600/-	10
--	5,000/-	Life

Name :...
Address :...
....
....
Email:..
Contact Phone No...
for donation ☐ /life ☐ /10 yrs ☐/5 yrs☐subscription
The sum of Rupees.................................... (Rs............/-)
through cheque/DD No.................................dt.................

Fill the above form neatly in capital letters and send it to us on the following address :
Times of Pedia, K-2-A-001, Abul Fazal Enclave-I,
Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025
or email : **timesofpedia@gmail.com**

Also Send us your subscription, membership, donation amount in favour of Times of Pedia, New Delhi
Punjab National Bank,Nanak Pura Branch,
New Delhi-110021
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700

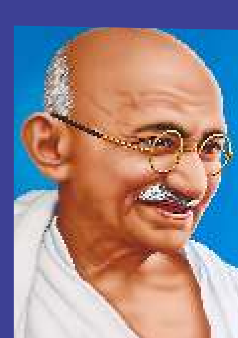

"First, they ignore you, then they laugh at you, then they fight you and then you win."
- Mahatma Gandhi

ADVERTISEMENT TARIFF
TIMES OF PEDIA

Size/Insertion Single	B&W (Rs)	4 Colour (Rs)
Full Page (23.5 x 36.5 cm)	30,000/-	1,00,000/-
A4 (18.7 x 26.5 cm)	20,000/-	60,000/-
Half Page (Tall-11.6 x 36.5 cm)	18,000/-	50,000/-
Half Page (wide-23.5 x 18 cm)	8,000/-	50,000/-
Quarter Page (11.6 x 18 cm)	10,000/-	28,000/-
Visiting Card size (9.5 x 5.8 cm)	3,000/-	10,000/-

MECHANICAL DATA:

Language: English, Hindi and Urdu
Printing: Front and Back - 4 Colours , Inside pages - B&W
No. of Pages: 12 pages (more in future)
Price: Rs. 3/-
Print order: 25,000
Periodicity: Weekly
Material details: Positives/Format of your advertisements should reach us 10 days before printing.

Note: 50% extra for back page, 100% extra for front page

Please Add Rs. 10 for outstation cheques.

50% advance of total add cost would be highly appreciable, in case of one year continue add. Publication cost will reduce 50% of actual cost.

Bank transactions details of TIMES OF PEDIA
Send your subscriptions/memberships/donations etc. (Cheques/DD) in favour of TIMES OF PEDIA New Delhi
Punjab National Bank,Nanak Pura Branch , New Delhi-110021
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700

बीजेपी वालों ने लूटने की पढ़ाई की, किसानों को लूटा, व्यापारियों को लूटा और सभी लूटेरों को बीजेपी में शामिल कर लिया : संजय सिंह

राज्यसभा सांसद और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय नेता संजय सिंह ने बादशाहपुर विधानसभा से पार्टी के उम्मीदवार बीर सिंह सरपंच के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया. सांसद संजय सिंह ने कहा कि मुझे यहां की एक समस्या के बारे में बताया गया कि आयुध डिपो के नाम पर 300 किलोमीटर के एरिया में न सड़क बन सकती है और न सीवर डल सकता है. इस समस्या का समाधान केंद्र सरकार से भी जुड़ा हुआ है. इसलिए मैं आश्वस्त करता हूं कि अगले सत्र में राज्यसभा सदन में यये मुद्दा उठाने का काम करूंगा. ये धर्म कॉलोनी को अवैध कॉलोनी कह रहे हैं, ये शब्द आपने गुरुग्राम में एक बार सुना होगा ये शब्द मैंने दिल्ली में हजार बार सुना है. जहां इंसान, मजदूर, कर्मचारी और माताएं बहनें रहती हैं वो अवैध कॉलोनी नहीं इंसानों के रहने की कॉलोनी है. इसलिए इसे अवैध कॉलोनी कहना कॉलोनी का अपमान है.

उन्होंने कहा कि जब अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बने तो पता चला कि सरकार अवैध कॉलोनी में काम नहीं कर सकती तो अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा में प्रस्ताव पारित करके दिल्ली की सभी अवैध कॉलोनियों में सड़कें बनाई, सीवर बनाए और पाइप लाइन बिछाई. जब आप 5 अक्टूबर को वोट देने जाओ तो से सोच कर जाना कि आप हरियाणा और बादशाहपुर की तकदीर अपने हाथ से लिखने जा रहे हो. ये वोट की ताकत आपको सैकड़ों शहीदों की कुर्बानी से मिली है. इसलिए इस बार धर्म और क्षेत्र के नाम पर नहीं, स्कूल, अस्पताल, बिजली, पानी, विकास और तरक्की के नाम पर वोट करना है.

उन्होंने कहा कि हरियाणा के इस चुनाव में कई पार्टियां मैदान में हैं. हरियाणा की जनता ने इस सभी पार्टियों को मौका देकर देख लिया. यदि इन्होंने हरियाणा का भला किया होता तो पिछले 10 साल में खट्टर ने हरियाणा को खटारा न बनाया होता. बीजेपी ने हरियाणा को बेरोजगारी में नंबर वन बनाने का गुनाह किया है. प्रधानमंत्री हरियाणा में आकर कहते हैं कि डबल इंजन की सरकार बना दो, आपने डबल इंजन की सरकार बना दी और अब नायब सैनी को लेकर आ गए. इन्होंने एक भी मुद्दे पर काम नहीं किया. हरियाणा में 3000 सरकारी स्कूल बंद हो गए. एक तरफ अरविंद केजरीवाल हैं जो दिल्ली के सरकारी स्कूलों के एयर कंडीशन कमरे बनवाते हैं, हॉकी और एथलीट के ग्राऊंड बनाते हैं. जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की पत्नी आई तो उन्होंने नरेंद्र मोदी से कहा कि उन्हें अरविंद केजरीवाल का सरकारी स्कूल देखना है. पहले लोग कहते थे अमेरिका से सीखो आज अमेरिका वाले कहते हैं केजरीवाल से सीखो.

उन्होंने कहा कि हरियाणा के हर गांव में बाहर एक बड़ा गेट बना होता है. जिसपर शहीद का नाम दर्ज होता है. गांव के लोगों से पूछो तो बताते हैं हमारा बेटा पाकिस्तान से लड़ते शहीद हो गया, हमारा बेटा चीन से लड़ते शहीद हो गया. हमारा बेटा कारगिल में शहीद हो गया. बीजेपी ने अग्निवीर योजना लाकर शहीदों और नौजवानों के साथ गद्दारी की है. बीजेपी अग्निवीर योजना लेकर आई और भारत की सेना को ठेके पर रखने का काम किया. बीजेपी ने सेना के साथ भी गद्दारी करने का काम किया है. आम आदमी पार्टी की सरकार आने पर अग्निवीर योजना को कूड़ेदान में डालने का काम करेंगे. मोदी 73 साल की उम्र में तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे और हरियाणा का नौजवान 21 साल की उम्र में रिटायर हो जाएगा. इस व्यवस्था को बदलना है.

उन्होंने कहा कि शिक्षा जो हर बच्चे के लिए जरूरी है, अरविंद केजरीवाल ने उस शिक्षा को बेहतर करने का काम दिल्ली और पंजाब में किया. अरविंद केजरीवाल ने 10 साल की राजनीतिक सफर में देश राजनीति में ऐसा बदलाव किया कोई सोच भी नहीं सकता था कि गरीब के घर में रोशनी आएगी मगर उसकी कोई कीमत नहीं होगी. आज दिल्ली और पंजाब में बिजली का बिल जीरो आता है. अरविंद केजरीवाल दिल्ली में मुख्यमंत्री बने तो दिल्ली में बिजली फ्री, पानी फ्री, शिक्षा फ्री, चिकित्सा फ्री, महिलाओं के लिए बस यात्रा और बुजुर्गों के लिए तीर्थ यात्रा फ्री करने का काम किया. अरविंद केजरीवाल ने फरिश्ते स्कीम लाकर कहा कि यदि रास्ते में किसी का एक्सीडेंट हो जाए तो उसको छोड़कर भागना नहीं उसको अस्पताल में पहुंचा देना जिसके लिए सरकार दो हजार रुपए देगी और इलाज में जितना मर्जी खर्च हो सारा खर्च सरकार देगी.

उन्होंने कहा कि बीजेपी वालों ने लूटने की पढ़ाई की है. बीजेपी ने किसानों को लूटा और व्यापारियों को लूटा. सभी लूटेरों को बीजेपी में शामिल कर लिया. बीजेपी आपको बच्चों को शिक्षा नहीं दे सकती, फ्री बिजली और पानी नहीं दे सकते, आपके लिए अच्छे अस्पताल नहीं बना सकते. यदि ये काम हिंदुस्तान में आपके लिए कोई नेता और कोई पार्टी कर सकती है तो उसका नाम आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल है.

उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में नरेंद्र मोदी और खट्टर ने क्या किया, चुनाव के मौके पर ये सवाल उनसे जरूर पूछो. प्रधानमंत्री मोदी ने हर साल 2 करोड़ नौकरी देने का वादा किया था, बीजेपी ने वादा किया था कि महंगाई कम कर देंगे, लेकिन डीजल 100 पार हुआ, पेट्रोल 110 पार हुआ, टमाटर 250 रुपए किलो बिका, सब्जी महंगी, सरसों का तेल महंगा हुआ और गैस सिलेंडर 1200 का हो गया. बीजेपी ने महंगाई को आसमान पर पहुंचाने का काम किया है. बीजेपी ने काला धान लाने का वादा किया था कि इतना काला धन लाएंगे कि हर आदमी के खाते में 15 लाख जमा हो जाएगा, लेकिन किसी के खाते में 15 पैसे नहीं आए. यदि वो आपके सवाल का जवाब न दे पाए तो हाथ में झाड़ू उठा लेना और कह देना इस बार हम आम आदमी पार्टी का साथ देंगे.

उन्होंने कहा कि बीजेपी वाले केवल हिंदू का मुसलमान से, जाट का गैर जाट से, मराठा का गैर मराठा से, किसान का जवान से और पहलवान का जवान से झगड़ा करा सकते हैं. ये भारतीय जनता पार्टी नहीं भारतीय झगड़ा पार्टी है. इसलिए इनसे सावधान रहना. यदि आप हरियाणा का विकास चाहते हैं तो याद करना इन्होंने आपके साथ क्या किया है. बीजेपी वाले कहते हैं कि वो हिंदुओं का भला कर रहे हैं. मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि जब अग्निवीर योजना लागू हुई तो हरियाणा का नौजवान अग्निवीर योजना में चार साल की नौकरी करके घर में बेरोजगारी की मार झेलेगा तो क्या ये योजना इस देश के हिंदुओं के साथ धोखा नहीं है.

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने हरियाणा को गारंटी दी है कि हरियाणा में 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी, शिक्षा और स्वास्थ्य मुफ्त होगी, युवाओं को रोजगार मिलेगा और 18 साल से ऊपर हर महिला को 1000 रुपए प्रति महीना सम्मान राशि दी जाएगी. आम आदमी पार्टी झूठी गारंटी नहीं देती दिल्ली और पंजाब में पता कर लीजिए. वादे से ज्यादा काम करने वाले व्यक्ति का नाम अरविंद केजरीवाल है. इसलिए दूसरी पार्टियों के फर्जी वादों पर भरोसा नहीं करना.

उन्होंने कहा कि जब वोट देने जाओ तो जो अपमान इन्होंने आपका किया है उसको भूलना नहीं है. जब किसान दिल्ली जा रहा था तो उन पर आंसू गैस के गोले छोड़े गए, पानी की बौछारें छोड़ी गई और किसानों पर लाठियां चलाई गई. 750 किसानों ने अपनी शहादत दी. इस बार किसान के अपमान का बदला लेना है.

उन्होंने कहा कि हरियाणा के चुनाव में जो भी परिणाम आए सत्ता का रिमोट कंट्रोल अरविंद केजरीवाल के हाथ में होगा. आम आदमी पार्टी के बगैर कोई सरकार नहीं बनेगी. यदि रिमोट कंट्रोल अरविंद केजरीवाल के हाथ में होगा तो हरियाणा में बेहतरीन सरकारी स्कूल बनाए जाएंगे और शिक्षा पूरी तरह से मुफ्त होगी. बेहतर अस्पताल बनाए जाएंगे और ईलाज मुफ्त होगा. माताओं बहनों के लिए बस यात्रा मुफ्त होगी और हर नौजवान को नौकरी देने का काम किया जाएगा. आम आमदी पार्टी ने दिल्ली और पंजाब में काम करके दिखाए हैं. यदि वो राजनीति हरियाणा में लाना चाहते हो तो इस बार सत्ता की चाबी आम आदमी पार्टी के हाथ में दे दो.

How social media is spreading hate against Muslims in India

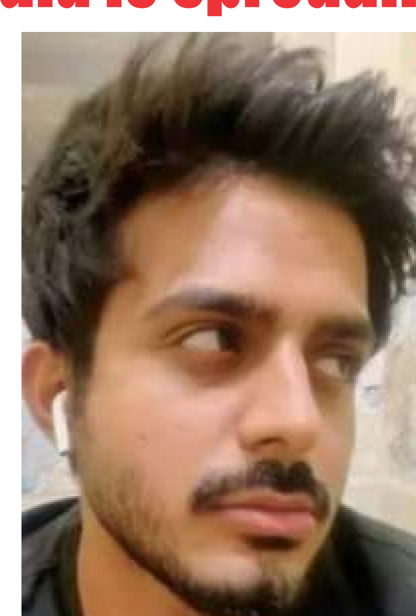

A Facebook user shared the viral clip and wrote: “Traitor in Police -: Latest News: Shahnawaz Khan, who worked as DSP in Kanpur, Uttar Pradesh, was caught by an anti-corruption team with illegal weapons and crores of Rupees. He was caught red-handed as he was handing out guns, pistols, etc. to his friends. Indeed, a Muslim can never be a patriot… even if he is in a government job; he is ready for anything to spread terror… now Yogi Baba will take this case well!”

This post was attached to the video and was essentially a bribery case that was deliberately turned upside down to malign the entire Muslim community and spread canard against them without any rhyme or reason.

The sequence of the story goes like this; one person goes to the police station to file a case in under the Scheduled Caste and Scheduled Tribe (Prevention of Atrocities) Act. He meets the head constables Shahnawaz Khan and Yogesh Kumar who demanded a bribe of Rs 20,000 which was later renegotiated to Rs 15,000. The victim went to the police station with the bribe money along with the Vigilance department team that entrapped Shahnawaz Khan. This arrest was captured live by the Vigilance team to showcase its accomplishments. Confirming that it was a bribery case, Rajesh Singh, a Vigilance team member refuted the false claims on social media. “Shahnawaz was arrested only for taking a bribe of Rs 15,000 and there were no weapons or crores of cash with him,” Rajesh Singh said.

Shahnawaz, was a head constable and not a DSP as reported in the social media. He was a Peshkar (person who does documentation) in the ACP's office in Babupurva, Kanpur. The allegation of supplying weapons and crores of cash was only a canard that was spread by anti-Muslim forces in social India.

It seems some people with anti-Muslim agendas are regulating social media with the sole purpose of spreading hatred against Muslims in India.

Such a kind of cybercrime is a new kind of hate crime that has sprung up under the BJP rule. Making use of the power of the Internet such crime is being committed and such criminals go scot-free as there is none to rein in the Hindu nationalists.

The saddest part is there is none to raise the voice against such injustices going on against Muslims in India. This is a chilling commentary on the status of Muslims in India.

By Syed Ali Mujtaba

Syed Ali Mujtaba is a journalist based in Chennai. He can be contacted at syedalimujtaba2007@gmail.com

Batla House Encounter: A wound that has not healed

As the 16th anniversary of the Batla House encounter approaches, the painful memories of this tragic event have resurfaced. The government's continued evasion of a judicial inquiry into the incident raises serious concerns, not just for the Muslim community of India, but also for the justice-seeking citizens of the country. Many, including people from outside the Muslim community, have consistently questioned the police operation and demanded an impartial judicial investigation. However, the government has yet to take a clear stance on this demand, leading to growing frustration and anger among the Muslim community and other justice advocates.

The incident occurred on September 19, 2008, in Jamia Nagar, Delhi, where the Delhi Police claimed to have killed two young Muslim men from Azamgarh, Atif Amin and Mohammad Sajid, alleging that they were members of the banned organization SIMI. From the outset, various human rights organizations and the Rashtriya Ulama Council have raised serious doubts about the police's version of events. Mohammad Sajid was reportedly just 14 or 15 years old at the time of his death, adding to the skepticism surrounding the encounter.

The Delhi Police claimed that as soon as they knocked on the door of the flat in L-18, Jamia Nagar, they were met with gunfire. However, a critical question remains: if the gunfire came from inside the flat, how did Inspector Mohan Chand Sharma, who was leading the operation, get shot from behind? This is just one of many unresolved questions that fuel ongoing suspicion about the encounter.

The families of those killed have endured years of grief and loss. Mohammad Sajid's father, deeply devastated by his son's death, spent his remaining days in sorrow, continuously haunted by the question, "When will we get justice?" Sadly, he passed away without ever seeing justice served. Similarly, Atif Amin's father, who tirelessly campaigned alongside the Rashtriya Ulama Council for justice for his son, also died without resolution. Adding to his tragedy, another son passed away three years ago, leaving the family shattered by loss.

Both families continue to live with a profound sense of injustice and deprivation. Who will address their pain—the government or the Delhi Police? According to Section 176 of India's Criminal Procedure Code, it is mandatory to conduct a magistrate inquiry into any police encounter. We call on the government to honor the Indian Constitution, if not the rights of Muslims, by conducting a proper investigation to clear the doubts surrounding this police operation.

The demand for a judicial inquiry has been strongly championed by Maulana Aamir Rashadi, leader of the Rashtriya Ulama Council, alongside other leaders and activists. Their fearless pursuit of justice, despite government resistance, is commendable. The Batla House encounter remains a dark chapter in the history of independent India, where two young men were killed in cold blood, in violation of human rights and the rule of law. Mohammad Sajid was reportedly just a teenager, helping out at a local gas shop in his hometown of Sanjarpur, Azamgarh. Yet, media reports uncritically labeled him as an expert bomb-maker. How could a 13- or 14-year-old child acquire such skills? Following the encounter, a wave of arrests ensued, targeting educated Muslim youth like Mohammad Saif from Sanjarpur, Mohammad Shehzad from Azamgarh, and Abu Bashar from the village of Binapara. Many were imprisoned without sufficient evidence, including Shehzad who was sentenced to life imprisonment by Delhi's Saket Court.

During his trial, Shehzad questioned the court: "How could anyone survive a jump from the fourth floor of L-18?" His request for the court to visit the site was denied, and he was sentenced despite the serious doubts about his involvement. Last year, Shehzad died in prison. The building in question is four stories high, making it nearly impossible for anyone to survive a jump from such a height, raising further questions about the police's account of the events.

The government must order a judicial investigation to address the deep suspicions surrounding this case. Justice must be served, not only for the families of Atif and Sajid but for all the innocent young men who continue to suffer due to wrongful imprisonment.

The sacrifices of the Rashtriya Ulama Council in this matter must not be forgotten. Azamgarh, a district now seeing positive developments in education and progress, has long struggled with the aftermath of this encounter. It is crucial that we encourage the youth of the Muslim community to pursue legal studies, as a strong legal and political presence is essential to securing justice for our people. The community must also work toward building political strength to confront the injustices it faces. In this struggle, Maulana Aamir Rashadi's relentless efforts will always be remembered and honored.

-By Zakir Hussain

Days after massive protest, demolition of illegal portions of Dharavi mosque begins

Mumbai: The demolition of unauthorised portions of a mosque in Dharavi in Mumbai has begun, office bearers of the trust that manages the place of worship said on Monday.

A report on the demolition has been submitted to the Brihanmumbai Municipal Corporation, an office bearer told PTI.

"Since the mosque is surrounded by slums, it might take some time for the demolition to be completed," he added.

On September 21, hundreds of residents had blocked the arterial 90-feet road in Dharavi to stop a BMC team

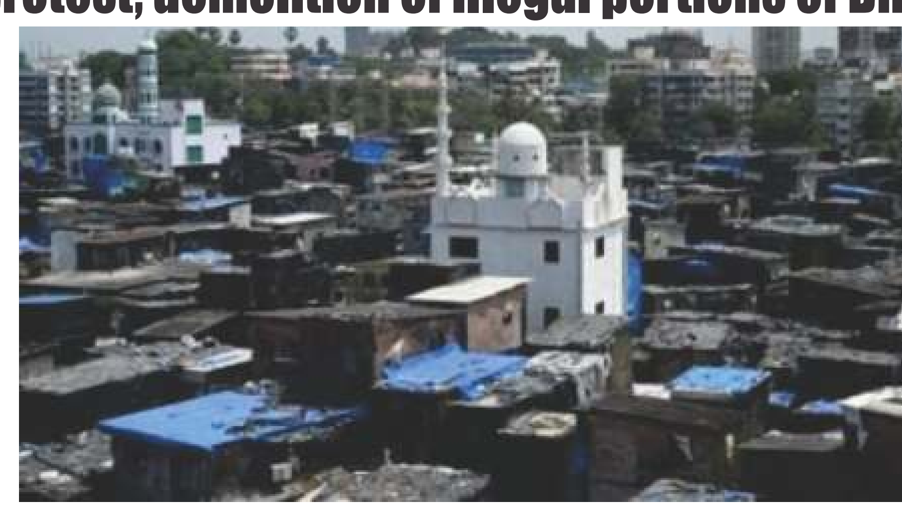

from demolishing illegal portions of the mosque.

To defuse the situation, trustees of the mosque held talks and submitted a written request to the deputy commissioner and assistant commissioner of the BMC's G North ward seeking four to five days to remove these portions.

During the protest, some individuals allegedly pelted stones at a BMC vehicle, breaking its front glass, after which an FIR was registered under Bharatiya Nyaya Sanhita, Maharashtra Police Act and Prevention of Damage to Public Property Act. — IANS

People opposing Waqf Bill 2024 have close ties with Cong: Raj minister

Amid the ongoing controversy over the Waqf Board, state minister Kirodi Lal Meena has now targeted many leaders including the Congress High Command on the issue.

Taking a dig at the central leadership of the Congress he said many leaders including Congress President Mallikarjun Kharge, former Chief Minister Ashok Gehlot and Salman Khurshid are instigating Muslims against Prime Minister Narendra Modi. A big conspiracy is being hatched against the central government.

The property of the Waqf Board is not anyone's personal property. But Fazal-ur-Rahim, associated with the All India Muslim Personal Board, illegally sold government, temple and pasture lands in the name of Waqf to a special

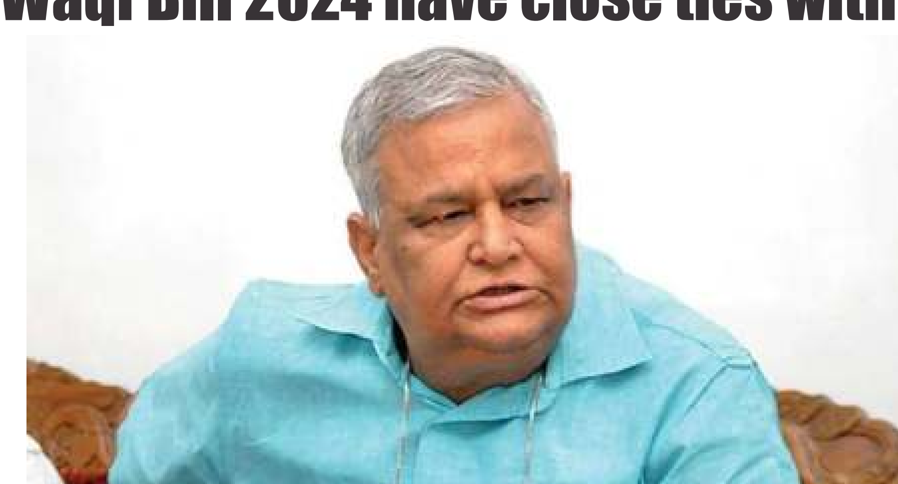

community and created a mini Pakistan. "Those opposing the Waqf Amendment Bill 2024 have a close connection with Congress leaders. Some leaders were misleading and inciting people. A campaign is being launched against Prime Minister Narendra on this issue," Meena told reporters at a press conference here. Meena alleged that the national general secretary of the All-India Muslim Personal Law Board Fazlur Raheem is inciting Muslims of the country and is bent on causing violence.

He said that Raheem, having a close connection with senior leaders of the Congress, is running a campaign against Modi to create unrest and instability.

Meena said that a 'new Pakistan' has been habituated by Raheem and his relatives on government land, Mandir Mafi land in a dozen colonies in Amber and Kishanpura in Jaipur where 40 mosques and 30 illegal slaughterhouses are operating. He said similar work is being done in other parts of the country, including Ahmedabad and Mumbai. He also showed some videos of Raheem to stake his claims along with photographs with the Congress top brass.

ज्यादा वर्कप्रेशर बना सकता है आपको बीमार, काम के चक्कर में बिल्कुल भी न करें सेहत से समझौता

आज के समय में इन दिनों हर कोई पैसे कमाने की दौड़ में लगा हुआ है। ज्यादा पैसा यानी ज्यादा सुकून वाली सोच के चलते लोग कम समय में ज्यादा पैसा कमाने की वजह से जरूरत से ज्यादा वर्कप्रेशर लेने लगते हैं। इसका शारीरिक और मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ता है। आइए जानते हैं आपकी सेहत को कैसे प्रभावित करता है वर्क प्रेशर।

ज्यादा कमाने के चक्कर में अक्सर हम सेहत को अनदेखा कर देते हैं।

लाइफस्टाइल डेस्क, नई दिल्ली। पैसों की कमी व्यक्ति से कुछ भी करवा सकती है,यहां तक कि व्यक्ति को अपनी योग्यताओं और इच्छाओं के साथ समझौता करने पर भी मजबूर कर देती है। यही वजह है कि आर्थिक तंगी में व्यक्ति छोटे से छोटा काम भी कम सैलरी पर करने को तैयार हो जाता है, क्योंकि उसे अपनी फैमिली की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना पड़ता है।

ऐसे कंडीशन में व्यक्ति का सेल्फ रिस्पेक्ट और सैटिफैक्शन का स्तर घट सकता है,फिर भी वह जीवन जीने के लिए हर काम स्वीकार कर लेता है। लेकिन इसका असर उसके मानसिक स्वास्थ्य पर और उसकी पूरी फैमिली पर पड़ता है, जिसे पूरे परिवार को भुगतना पड़ता है।

तो आईए जानते हैं अधिक काम को कम वेतन पर करना कैसे सेहत से समझौता–कम वेतन और अधिक काम के कारण व्यक्ति लगातार आर्थिक दबाव में रहता है, जिससे स्ट्रेस और एंजाइटी बढ़ती है। इसका मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ सकता है।

काम के लंबे समय के कारण नींद पूरी नहीं हो पाती है। नींद की कमी से शरीर की ऊर्जा कम होती है जिससे इम्यून पॉवर कमजोर पड़ने लगती है। काम के प्रेशर और आर्थिक तंगी के कारण लोग जल्दी तैयार होने वाले अनहेल्दी फूड्स का सहारा लेते हैं, जिससे शरीर को जरूरी पोषण नहीं मिल पाता है।

अत्यधिक काम करने से शरीर को आराम नहीं मिल पाता है, जिससे मांसपेशियों में खिंचाव और थकावट बनी रहती है। यह व्यक्ति की सेहत को लंबे समय के लिए प्रभावित कर सकता है।

अधिक काम के कारण व्यक्ति थकान महसूस करता है, जिससे उसका मानसिक और शारीरिक काम करने की क्षमता कमजोर पड़ने लगती है और इससे काम का प्रदर्शन भी कम हो जाता है।

कठिन परिस्थितियों में भी छोटी–छोटी खुशियों को अपना बनाएं। स्क्रीन से दूरी बनाएं, दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएं, अपनी पसंद के शौक को समय दें,और छोटी उपलब्धियों का भी जश्न मनाएं। ऐसे सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने से जीवन में संतुलन और खुशी बनी रहती है।

दिन की शुरुआत दो हर्बल गोलियों से करें बॉडी को डिटॉक्स

दिन की शुरुआत अगर हेल्दी फूड से की जाए तो बॉडी तंदुरुस्त रहती है। सुबह खाली पेट ऐसे असरदार फूड्स का सेवन करना जरूरी है जो बॉडी को डिटॉक्स करें और बॉडी से इंफ्लामेशन कंट्रोल करें। हमारी डाइट बेहद खराब हो रही है। हम डाइट में जंक फूड, मैदे वाले फूड, प्रोसेस फूड और फाइबर का कम सेवन करते हैं जिसकी वजह से बॉडी में टॉक्सिन जमा होने लगते हैं और इंफ्लामेशन बढ़ने लगती है। ये इंफ्लामेशन वेट को बढ़ाने लगता हैं इसलिए इसे कंट्रोल करना जरूरी है।

सदगुरु जग्गी वासुदेव के मुताबिक अगर आप बॉडी से इंफ्लामेशन कंट्रोल करना चाहते हैं और बॉडी को डिटॉक्स करना चाहते हैं तो दिन की शुरुआत दो हर्बल गोलियों से करें। हल्दी और नीम दो ऐसे हर्ब हैं जो सदियों से आयुर्वेद में दवा के रूप में इस्तेमाल हो रहे हैं। इस हर्ब्स का सेवन अगर सुबह–सुबह किया जाए तो बॉडी से टॉक्सिन को बाहर निकाला जा सकता है और सूजन को कंट्रोल किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि नीम और हल्दी की गोली का सुबह खाली पेट सेवन करने से बॉडी को कौन–कौन से फायदे होते हैं।

नीम और हल्दी की गोली कैसे बॉडी को करती है डिटॉक्स

नीम एक ऐसा हर्ब है जो एंटी ऑक्सीडेंट और एंटी बैक्टीरियल गुणों से भरपूर है। ये ब्लड में मौजूद अशुद्धियों को साफ करता है और ब्लड को प्यूरिफाई करता है। रोजाना नीम की गोली का अगर सुबह–सुबह सेवन किया जाए तो ब्लड से टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। इसका सेवन करने से कई तरह के संक्रमण का खतरा टलता है। बॉडी के लिए कड़वा नीम अमृत के समान है।

हल्दी एक ऐसा मसाला है जो औषधीय गुणों से भरपूर है। हल्दी का सेवन सुबह खाली पेट करने से बॉडी डिटॉक्स होती है। एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन करने से बॉडी से टॉक्सिन बाहर निकलते हैं।

नीम और हल्दी की गोली का सेवन करने के फायदे

नीम और हल्दी का सेवन करने से पेट की सूजन कंट्रोल रहती है। नीम और हल्दी में मौजूद औषधीय गुण पेट की परतों की सूजन को कंट्रोल करते हैं।

जिन लोगों का पाचन खराब रहता है वो रोजाना दिन की शुरुआत हल्दी और नीम की गोली से करें।

हल्दी की छोटी सी गोली पाचन क्रिया को तेज करती है और पेट दर्द से राहत दिलाती है। जबकि नीम की गोली का सेवन करने से पेट में मौजूद गंदे बैक्टीरिया खत्म होते हैं और गुड बैक्टीरिया बढ़ते हैं।

नीम और हल्दी की गोली का सेवन करने से इम्युनिटी स्ट्रांग होती है। इसका रोजाना सेवन करने से संक्रमण से बचाव होता है।

रोजाना नीम और हल्दी की एक गोली का सेवन करने से डायबिटीज कंट्रोल रहती है। इसका सेवन करने से बॉडी को भरपूर एनर्जी मिलती है। ये ब्लड सर्कुलेशन को दुरुस्त करती है।

नीम और हल्दी की गोली एक साथ खाने के फायदे

नीम और हल्दी की गोली का सेवन एक साथ किया जाए तो बॉडी में मौजूद हर तरह के कीटाणु मर जाते हैं। इन गोलियों का सेवन करने से आपकी ऊर्जा आपके पूरे सिस्टम में सामान रूप से बंट जाती है। इन दो गोलियों में शुक्राणु कोशिकाओं को तोड़कर ऊर्जा के दूसरे स्तर में बदलने की शक्ति होती है।

नीम और हल्दी की गोली कैसे तैयार करें

हल्दी किचन में मौजूद होती है जिसके लिए आपको मेहनत करने की जरूरत नहीं है लेकिन नीम आपको बाहर से लाना होगा। नीम के कुछ पत्ते लें और उन्हें पानी से वॉश कर लें और कॉटन के कपड़े से उसे सुखा लें। इन पत्तियों को 3–4 दिनों तक सुखाकर उसका बारीक पाउडर बना लें।

अब एक बाउल में हल्दी लें और दूसरे बाउल में नीम का पाउडर डालें। अब हल्दी के बाउल में एक से डेढ़ चम्मच पानी मिलाएं और उसे अच्छे से मिक्स कर लें।

अब हल्की की छोटी गोली बनाने के लिए हथेली पर हल्दी रखें और उसकी गोली बनाएं।

इसी तरह नीम के पाउडर में भी डेढ़ से दो चम्मच पानी मिलाएं और उसकी भी छोटी–छोटी गोली बना लें। इन गोलियों को सुखा लें और बॉक्स में स्टोर कर लें। रोजाना सुबह एक नीम की गोली और एक हल्दी की गोली का सेवन करें।

–टॉप

पेट के लिए अमृत है ये फल, पुरानी से पुरानी कब्ज को कर देता है दूर

पपीता एक कमाल का फल है जो पूरे साल मिलता है। इस फल का सेवन कच्चा और पक्का हुआ दोनों तरह से किया जाता है। कच्चे पपीते का सेवन सब्जी बनाकर तो पक्का पपीता फ्रूट्स के रूप में चाट बनाकर खाया जाता है। ये फल औषधीय गुणों से भरपूर होता है जो हमारी गट हेल्थ को दुरुस्त करने में असरदार साबित होता है। पपीते का मीठा स्वाद न सिर्फ खाने में मजेदार लगता है बल्कि ये कई बीमारियों का भी इलाज करता है।

पपीते में मौजूद पोषक तत्वों की बात करें तो इसमें विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन ई जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो दिल के रोगों से बचाव करते हैं। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर ये फल कोलेस्ट्रॉल के ऑक्सीकरण को रोकता हैं। जब कोलेस्ट्रॉल का ऑक्सीकरण होता है तो इससे ब्लड सप्लाई बाधित होती है जिससे दिल के रोगों का खतरा बढ़ता है। भारतीय योग गुरु, लेखक, शोधकर्ता और टीवी पर्सनालिटी डॉक्टर हंसा योगेंद्र ने बताया पपीता पेट की औषधि है। पपीते में मौजूद पपेन एंजाइम पाचन से जुड़ी परेशानियों जैसे कब्ज का इलाज करता है। इसका सेवन करने से पाचन दुरुस्त रहता है और पुरानी से पुरानी कब्ज दूर होती है। इसका सेवन करने से आंतों में जमा गंदा मल बाहर निकल जाता है। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि पपीता का सेवन करने से पाचन के साथ ही और कौन–कौन से फायदे होते हैं।

पपीते में दो एंजाइम होते हैं एक पपेन और काइमोपेपेन। दोनों एंजाइम प्रोटीन को पचाते हैं यानी ये पाचन में मदद कर सकते हैं और सूजन को कंट्रोल करते हैं। पेट में होने वाली कब्ज और पाचन से जुड़ी दूसरी परेशानियों को दूर करने के लिए आप पपीते का सेवन

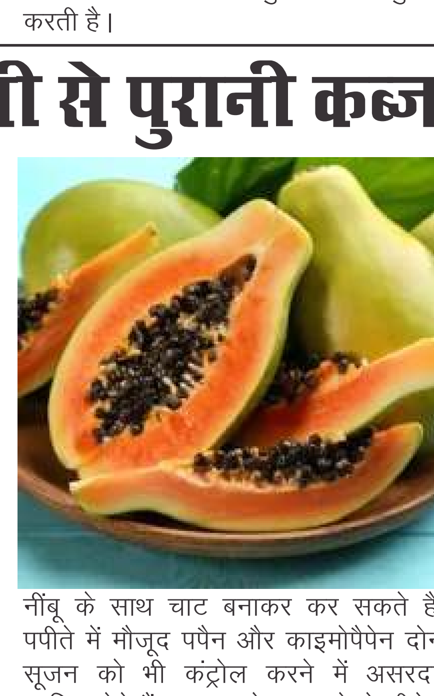

नींबू के साथ चाट बनाकर कर सकते हैं। पपीते में मौजूद पपैन और काइमोपैपेन दोनों सूजन को भी कंट्रोल करने में असरदार साबित होते हैं। इसका सेवन करने से सीने में जलन कम होती है पेट दर्द से राहत मिलती है। विटामिन सी से भरपूर पपीते का सेवन करने से इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है।

इसका सेवन करने से शरीर को बैक्टीरिया और वायरल बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है। पपीते में एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा ज्यादा होती है जो स्ट्रांग इम्यूनिटी के लिए जरूरी है।

फाइबर से भरपूर पपीते का सेवन करने से स्टूल लूज होता है जो कब्ज से निजात दिलाने में मदद करता है। रोजाना 250 ग्राम पपीते का सेवन करने से बॉडी को भरपूर फाइबर मिलता है जो कब्ज को तोड़ता है।

पपीते में पानी भरपूर मौजूद होता है जो बॉडी को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। ये फल गर्मी से लेकर सर्दी तक के लिए बेहद उपयोगी है।

फाइबर और पानी का ये कॉम्बिनेशन पेट के लिए वरदान साबित होता है। –टॉप

दुनिया के सबसे दमदार बॉडीबिल्डर की 36 साल की उम्र में हार्ट अटैक से मौत

नई दिल्लीः दुनिया के सबसे ताकतवर बॉडीबिल्डर के नाम से मशहूर इलिया गोलेम येफिमचिक का 36 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने के बाद निधन हो गया। दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्हें छह सितंबर को अस्पताल ले जाया गया था, जहां वह कोमा में चले गए थे। कुछ दिनों बाद 11 सितंबर को उनकी मौत हो गई। हार्ट अटैक आने के बाद एंबुलेंस के आने का इंतजार करते हुए उनकी पत्नी एना ने छाती को कम्प्रेस भी किया था। बाद में उन्हें हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया।

एना ने स्थानीय मीडिया को बताया, मैंने इस पूरे समय प्रार्थना करती रही। मैंने हर दिन उनके साथ बिताया। उनका दिल दो दिनों तक धड़का, लेकिन डॉक्टर ने मुझे एक भयानक खबर दी कि उनके दिमाग ने काम करना बंद कर दिया था। मैं संवेदना व्यक्त करने के लिए सभी का शुक्रिया अदा करती हूं। यह महसूस करना दिल को छू लेने वाली है कि मैं इस दुनिया में अकेली नहीं रह गई हूं। इतने सारे लोगों से मुझे मदद और समर्थन मिल रहा है। इलिया ने कभी भी किसी प्रोफेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन इस बेलारूसी बॉडी बिल्डर की सोशल मीडिया फैन फॉलोइंग काफी ज्यादा था। उन्होंने नियमित रूप से अपने फैंस के साथ वीडियो साझा किए। उन्हें श्द म्यूटेंटश उपनाम भी मिला। जानकारी के मुताबिक, इलिया दिन में सात बार खाना खाते थे और अपने शरीर को बनाए रखने के लिए 16,500 कैलोरी से कंज्यूम करते थे। इसमें 2.5 किलोग्राम स्टेक और सुशी के 108 टुकड़े शामिल थे। उनका वजन 340 पाउंड था और वह 6 फीट एक इंच लंबे थे। आउटलेट के अनुसार उनकी छाती 61 इंच और उनके बाइसेप्स 25 इंच मापी गई थी।

कथित तौर पर स्कूल में उनका वजन सिर्फ 70 किलो था और वह पुश–अप्स नहीं कर सकते थे। हालांकि, वह अर्नोल्ड श्वार्जनेगर और सिल्वेस्टर स्टेलोन से प्रेरित थे और उन्होंने अपने शारीरिक विकास पर काम करने का फैसला किया। उन्होंने बताया था, श्मेरा परिवर्तन वर्षों के कठिन प्रशिक्षण और अनुशासन का परिणाम है। इन्हें मैंने व्यायाम, शरीर विज्ञान और पोषण की समझ के साथ बनाया था। मेरा मिशन लोगों में एक कार्य नैतिकता स्थापित करना है ताकि वे अपने डर को दूर कर सकें।श इलिया चेक गणराज्य, दुबई और अमेरिका में रहते थे।

रोनाल्डो के सोशल मीडिया पर 100 करोड़ फॉलोअर्स हुए, ऐसा करने वाले वह दुनिया के पहले व्यक्ति बने

नई दिल्ली. फुटबॉल के मशहूर खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने इतिहास रच दिया है. सोशल मीडिया पर कुल 1 बिलियन यानि 100 करोड़ फॉलोअर्स पाने वाले वह दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए हैं. इसकी जानकारी उन्होंने खुद अपने तमाम सोशल मीडिया अकाउंट से दी है. इस सफलता को सेलिब्रेट करते हुए उन्होंने एक पोस्टर भी जारी किया, जिसमें लिखा है– "वन बिलियन ड्रीम्स, वन जर्नी." रोनाल्डो ने अपने सभी फैंस को हर कदम पर साथ देने, प्यार बरसाने और सपोर्ट के लिए शुक्रिया भी कहा. उनके मुताबिक सोशल मीडिया पर 100 करोड़ का ये परिवार सिर्फ फुटबॉल के लिए प्यार और जुनून की वजह से खड़ा हुआ है. रोनाल्डो ने 1 बिलियन फॉलोअर्स तक पहुंचने के लिए अपने यूट्यूब पर एक लाइव कैंपेन चलाया था.

पुर्तगाल के सुपर स्टार रोनाल्डो ने हाल ही में 'Ur Cristiano' यूट्यूब चौनल शुरू किया था, जहां उन्होंने कई रिकॉर्ड तोड़े थे. वह सबसे तेज 1 मिलियन सब्सक्राइबर्स वाले क्रिएटर बन गए थे.

उन्होंने सिर्फ 90 मिनट के अंदर ये कारनामा कर दिखाया था. उन्होंने 12 घंटे के अंदर 10 मिलियन सब्सक्राइबर्स हासिल कर लिए थे. फिलहाल उनके यूट्यब पर 60.5 मिलियन सब्सक्राइबर्स हो गए हैं. वहीं इंस्टाग्राम पर उनके 638 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जबकि एक्स (पहले ट्विटर) पर उन्हें 113 मिलियन और फेसबुक पर 170 मिलियन लोग फॉलो करते हैं.

इसके अलावा चीन की सोशल मीडिया वीबो पर 7.3 मिलियन और कुआइशौ पर 9.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं. —टॉप

टेस्ट सीरीज में ऐतिहासिक जीत के बाद भारत के जसप्रीत बुमराह को मिला नया निकनेम, पूर्व दिग्गज ने किया ऐलान

कानपुर टेस्ट मैच को भारत ने 7 विकेट से जीत लिया. अश्विन को प्लेयर ऑफ द सीरीज और जायसवाल को प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया. वहीं, बुमराह ने 6 विकेट कानपुर टेस्ट मैच में झटके.

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह ने 11 विकेट लिए , बुमराह के सामने बांग्लादेशी बैटर एक के बाद पवेलियन लौटते दिखे, बुमराह ने अपनी गेंदबाजी से कमाल किया. बुमराह ने अपनी गेंदबाजी से एक बार फिर साबित कर दिया है कि क्यों उन्हें दुनिया का सबसे महान गेंदबाज माना जाता है. जसप्रीत बुमराह के परफॉर्मेंस ने फैन्स का दिल जीत लिया. वहीं, भारत के पूर्व स्पिन गेंदबाज मुरली कार्तिक ने बुमराह ने नया निकनेक भी दे दिया है.

बता दें कि बुमराह को पहले ही बूम–बूम बुमराह के निकनेम से जाना जाता है. अब पूर्व भारतीय स्पिनर ने बुमराह को नया निकनेम दे दिया है. भारत के पूर्व खिलाड़ी मुरली कार्तिक ने उन्हें जादूगर कह है. उन्होंने कहा, मैं बुमराह को जादूगर (मैजिशियन) कहना चाहूंगा क्योंकि आप मैच बदलने की क्षमता रखते हैं. बुमराह ने कानपुर टेस्ट मैच में भी कमाल की गेंदबाजी की और 6 विकेट लेने में सफल रहे. पहली पारी में और दूसरा पारी में बुमराह ने 3–3 विकेट लिए.

वहीं, बुमराह ने मैजिशियन कहे जाने पर भी रिएक्ट किया और कहा, मैं उन सभी विशेषणों (जादूगर कहलाने) के बारे में नहीं सोचता. यह जीत हासिल करना वाकई अच्छा है, हमने कुछ दिन गंवाए थे.. जिस तरह से हमने कल बल्लेबाजी की और यह हमारी फिटनेस के लिए एक परीक्षा थी और साथ ही आप देख सकते हैं कि मौसम कितना गर्म है, हर दिन गेंदबाजी करना और प्रभाव पैदा करने की कोशिश करना, यह वाकई एक खास जीत है.

उन्होंने आगे कहा,श्आप अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हैं लेकिन यह कहना आसान है, करना मुश्किल, क्योंकि आपने बहुत क्रिकेट खेला है और अलग–अलग सतहों पर खेला है, आप समाधान ढूंढते हैं, यह विकेट चेन्नई में जो मिला था उससे बिल्कुल अलग था, इसलिए जल्दी से दूसरों से बात की और सबसे अच्छा विकल्प खोजने की कोशिश कीश

कानपुर टेस्ट मैच को भारत ने 7 विकेट से जीत लिया. अश्विन को प्लेयर ऑफ द सीरीज और जायसवाल को प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया. बता दें कि अश्विन ने मुथैया मुरलीधरन के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करने में सफलता हासिल की. टेस्ट में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब मुरलीधरन ने जीता था. मुरली ने 11 बार ऐसा कारनामा किया था. वहीं अब अश्विन ने भी 11 बार प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब जीतने में सफलता हासिल कर ली है.

मंजिल उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान होती है।

डिजिटल क्रांति युग में राष्ट्रीय क्षमता का पर्याय है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लगभग 130 करोड़ रुपये की लागत वाले तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर राष्ट्र को समर्पित किए. राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत स्वदेशी रूप से विकसित इन सुपरकंप्यूटरों को अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधान को सुविधाजनक बनाने के लिए पुणे, दिल्ली और कोलकाता में तैनात किया गया है. प्रधानमंत्री ने मौसम और जलवायु अनुसंधान के लिए तैयार एक हाई–परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली का भी उद्घाटन किया.

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन भारत के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि वाला है और यह अनुसंदान और विकास को प्राथमिकता देकर देश को प्रगति की ओर ले जाने का प्रमाण है. प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत संभावनाओं के अनंत क्षितिज में नए अवसर तलाश रहा है." प्रधानमंत्री ने भारत के वैज्ञानिकों द्वारा तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर विकसित किए जाने और दिल्ली, पुणे एवं कोलकाता में उनकी स्थापना का उल्लेख किया. उन्होंने मौसम और जलवायु अनुसंधान के लिए तैयार हाई–परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली 'अर्का' और 'अरुणिका' के उद्घाटन के बारे में भी बताया. प्रधानमंत्री ने पूरे वैज्ञानिक समुदाय, इंजीनियरों और सभी नागरिकों को अपनी शुभकामनाएं दीं.

प्रधानमंत्री ने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में युवाओं को 100 दिनों के अलावा 25 अतिरिक्त दिन दिए जाने को याद करते हुए तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर देश के युवाओं को समर्पित किए. उन्होंने कहा कि ये सुपरकंप्यूटर देश के युवा वैज्ञानिकों को ऐसी अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. उन्होंने भौतिकी, पृथ्वी विज्ञान एवं ब्रह्मांड विज्ञान के क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान में सहायता के लिए इसके उपयोग पर प्रकाश डाला. प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे क्षेत्र ही विज्ञान और प्रौद्योगिकी के भविष्य की कल्पना करते हैं.

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आज का भारत केवल शेष विश्व की क्षमताओं की बराबरी करने से संतुष्ट नहीं रह सकता, बल्कि वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से मानवता की सेवा करना अपना दायित्व समझता है. प्रधानमंत्री ने डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे ऐतिहासिक अभियानों पर प्रकाश डालते हुए कहा, "भारत का मंत्र है अनुसंधान के माध्यम से आत्मनिर्भरता, आत्मनिर्भरता के लिए विज्ञान."

उन्होंने भारत की भावी पीढ़ियों में वैज्ञानिक सोच को मजबूत करने के लिए स्कूलों में 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब बनाने, स्टेम (एसटीईएम) विषयों में शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति में वृद्धि और इस वर्ष के बजट में 1 लाख करोड़ रुपये के अनुसंधान कोष का भी उल्लेख किया. उन्होंने भारत को अपने नवाचारों के साथ 21वीं सदी की दुनिया में सशक्त बनाने के उद्देश्य के बारे में भी बताया. प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि विज्ञान का वास्तविक उद्देश्य केवल नवाचार और विकास नहीं, बल्कि आम आदमी की आकांक्षाओं को पूरा करना भी है. डिजिटल अर्थव्यवस्था और यूपीआई का उदाहरण देते हुए, श्री मोदी ने बताया कि भारत जहां उच्च तकनीक वाले क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है, वहीं यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि यह तकनीक गरीबों को सशक्त बनाती रहे. प्रधानमंत्री ने बताया कि दूरदराज के गांवों में सुपर कंप्यूटर द्वारा मौसम और मिट्टी का विश्लेषण केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह हजारों लोगों के जीवन में एक बड़ा बदलाव है. उन्होंने कहा, ष्सुपर कंप्यूटर यह सुनिश्चित करेंगे कि छोटे से छोटे किसान को भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान तक पहुंच मिले, जिससे उन्हें अपनी फसलों के बारे में सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी.

समुद्र में जाने वाले मछुआरों को भी लाभ होगा क्योंकि इन प्रौद्योगिकियों से जोखिम कम होंगे और बीमा योजनाओं के बारे में जानकारियां मिलेंगी. पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अब एआई और मशीन लर्निंग से संबंधित मॉडल बनाने में सक्षम होगा, जिससे सभी हितधारकों को लाभ होगा.

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सुपर कंप्यूटर बनाने की भारत की क्षमता राष्ट्रीय गौरव का विषय है और इसका लाभ आम नागरिकों के रोजमर्रा के जीवन तक पहुंचेगा, जिससे भविष्य में महत्वपूर्ण बदलाव आएंगे. प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई और मशीन लर्निंग के इस युग में सुपर कंप्यूटर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे.

उन्होंने इसकी तुलना 5जी तकनीक और मोबाइल फोन के निर्माण में भारत की सफलता से की, जिसने देश में डिजिटल क्रांति को बढ़ावा दिया है और हर नागरिक के लिए तकनीक सुलभ बना दी है. प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की मेक इन इंडिया पहल आम नागरिकों को भविष्य की तकनीकी प्रगति के लिए तैयार करेगी, जहां सुपरकंप्यूटर नए शोध को बढ़ावा देंगे और वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए नई संभावनाएं खोलेंगे. उन्होंने भरोसा दिलाया कि ये प्रौद्योगिकियां आम लोगों के जीवन में वास्तविक लाभ लाएंगी, जिससे वे बाकी दुनिया के साथ तालमेल बिठा सकेंगे.

संबोधन को समाप्त करते हुए, प्रधानमंत्री ने इन उपलब्धियों के लिए नागरिकों और राष्ट्र को बधाई दी और युवा शोधकर्ताओं को इन उन्नत सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए भी प्रोत्साहित किया, जिससे विज्ञान के क्षेत्र में नए क्षेत्र खुलेंगे.

इस अवसर पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव वर्चुअल रूप से उपस्थित थे. –टॉप

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान आयोजित किया

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग अपने अधीनस्थ/संबद्ध/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और देश भर में फैले उनके क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ मिलकर स्वच्छता ही सेवा, 2024 अभियान के अंतर्गत उत्साह के साथ गतिविधियां आयोजित कर रहा है।

इन गतिविधियों के अंतर्गत 25.09.2024 को विभाग में "स्वभाव स्वच्छता–संस्कार स्वच्छता" विषय पर एक कविता पाठ

प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने स्वरचित कविताओं के माध्यम से हमारे पर्यावरण और ग्रह को स्वच्छ और कचरा मुक्त बनाए रखने का संदेश फैलाया।

वेयरहाउसिंग विकास एवं विनियामक प्राधिकरण ने दिल्ली नगर निगम के साथ मिलकर नई दिल्ली के हौज खास बाजार में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया।

भारतीय अनाज भंडारण प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान (आईजीएमआरआई) के सहयोग से हैम्पर ने आवासीय क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया, जिसके दौरान अवांछित झाड़ियों को हटाया गया तथा जैविक कचरे का उचित तरीके से निपटान किया गया।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने निकटवर्ती मंदिर में सफाई अभियान चलाया तथा कचरे के उचित निपटान के लिए डस्टबिन वितरित किए।

दिनांक 25.09.2024 को एसएचएस 2024 के अंतर्गत केन्द्रीय भंडारण निगम एवं इसके

विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा आयोजित गतिविधियाँरू

केन्द्रीय भंडारण निगम के कर्मचारियों ने दिल्ली के विभिन्न सरकारी स्कूलों का दौरा किया और बच्चों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया तथा उनके लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ भी आयोजित कीं।

संपूर्ण स्वच्छता के तहत कोच्चि क्षेत्र के विभिन्न गोदामों द्वारा आम क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थानों पर सफाई अभियान चलाया गया। स्वच्छता की भागीदारी के तहत विभिन्न स्कूलों में चित्रकला प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद द्वारा एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रीय प्रबंधक ने प्रतिभागियों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी दी।

क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ ने झुग्गी–झोपड़ी बस्तियों में जाकर हाथ धोने के साबुन और हाथ पौंछने के तौलिये वितरित किए तथा लोगों को स्वच्छता एवं सफाई के महत्व के बारे में जागरूक किया।

क्षेत्रीय कार्यालय पटना द्वारा सफाईमित्र सुरक्षा शिविर के अंतर्गत सफाईमित्रों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

गुवाहाटी क्षेत्र ने आंगनवाड़ी केन्द्र, जलेफा सबरूम में स्वच्छता अभियान चलाया और स्वच्छता किट वितरित की।

क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई के केन्द्रीय गोदाम चिकलताना और नशीद रोड द्वारा सिडको

बस स्टॉप औरंगाबाद और नासिक रोड बस स्टॉप पर सफाई अभियान का आयोजन किया गया।

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा आयोजित गतिविधियाँ

खाद्य भंडारण डिपो, डाल्टनगंज, झारखंड में पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया और एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पचपन (55) पौधे लगाए गए

एफसीआई क्षेत्रीय कार्यालय बैंगलोर और सभी मंडल कार्यालयों ने स्कूली बच्चों के बीच स्वच्छ भारत और स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत स्कूल जागरूकता शिविर का आयोजन किया।

भारतीय खाद्य निगम, संभागीय कार्यालय, वेल्लोर ने बच्चों में स्वच्छ भारत के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए स्कूल जागरूकता शिविर का आयोजन किया। –टॉप